हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार 23 जून 2024

11 किड्जी के छात्रों ने मनाया योग दिवस

12 छोटी उम्र में ही मर रहे लोग, बचने के लिए करें योग : स्वामी रामदेव

अरनव राव मैमोरियल

.... Care Comes First

जयपुर हार्ट एण्ड जनरल हॉस्पिटल

पुलिस थाना के सामने, नई मण्डी रोड़, नारनौल | 01282-252500, 7040404013

NABH, QCI, ISO Certified Heart Disease & Emergency Services Excellence Hospital

हॉस्पिटल की उपलब्धियां

- ☑ **11 वर्षों** से नारनौल शहर एवं महेंद्रगढ़ जिले में सबसे अधिक हार्ट-अटैक एवं इमरजेंसी सेवा के लिए 24 घंटे सुविधा प्रदान करने वाला अस्पताल।
- ☑ एडवांस Philips कैथलैब के साथ लगभग **8000** से अधिक **एंजियोग्राफी/एंजियोप्लास्टी (छल्ले डालना)/पेसमेकर** करने वाला जिले का एकमात्र अनुभवी अस्पताल।
- ☑ **अरनव राव फाउंडेशन** एवं **जयपुर हार्ट एण्ड जनरल हॉस्पिटल** द्वारा जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से **पिछले 15 महीनों में लगभग 200 नि:शुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिवरों** का आयोजन करके हॉस्पिटल ने अपने सामाजिक एवं नैतिक दायित्व को निभाया है जिस कारण गरीब एवं दूर दराज के लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिला तथा लगभग 21500 पुरुष / महिला / बच्चें लाभान्वित हुए।
- ☑ हार्ट-अटैक की स्थिति में **ECHS कार्डधारक** भाइयों / परिवारों के लिए नि:शुल्क **एंजियोग्राफी / एंजियोप्लास्टी** की सुविधा देने वाला जिले का एकमात्र अस्पताल।

हॉस्पिटल में उपलब्ध पैनल / कार्ड, जिनसे नि:शुल्क स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते है...

ECHS कार्डधारक

हरियाणा सरकार पैनल

CAPF कार्डधारक

आयुष्मान भारत चिरायु कार्ड धारक

ALL TPA हैल्थ इंश्योरेंस (कैशलेस)

STAR Health Insurance, IFFCO-TOKIO General Insurance, SBI general Insurance, Health Insurance TPA, FHPL, Chola MS General Insurance, niva Bupa Health Insurance

हार्ट-अटैक के ईलाज का सर्वश्रेष्ठ अस्पताल

हॉस्पिटल में उपलब्ध विभाग

इमरजेंसी सेवा विभाग
- ट्रोमा/ एक्सीडेन्ट के मरीजों का उपचार
- सभी प्रकार के फ्रेक्चर का सूक्ष्म चीरे द्वारा उपचार
- हाथ व पैरो की कटी हुई नसों का ऑपरेशन
- गठिया बाय व रांगड बाय का ईलाज
- कमर दर्द, सरवाइकल व स्लिप डिस्क का उपचार।

हृदय रोग विभाग
- एंजियोग्राफी/ एंजियोप्लास्टी (स्टटिंग)
- परमानेंट एवं टैम्परेरी पेसमेकर
- हृदय रोगियों के लिए CCU की सुविधा
- 2D-ECHO, TMT, Holter Monitoring
- हृदय रोगों के इलाज का उत्कृष्ट केन्द्र

जनरल मेडिसन विभाग
- शुगर, ब्लड प्रेशर, लकवा एवं ब्रेन हेमरेज
- श्वांस, दमा, किडनी व लीवर एवं पेट के रोग
- जहर खायें व सांप काटने के ईलाज की सुविधा
- थायराईड, डेंगू, टी.बी., मलेरिया एवं टाईफाईड

जनरल सर्जरी विभाग
- दूरबीन द्वारा पेट के सभी जटिल एवं सामान्य ऑपरेशन
- दूरबीन द्वारा पित्त की थैली व गुर्दे की पथरी का ऑपरेशन
- अपेंडिक्स, हॅर्निया, हाइड्रोसीलका ऑपरेशन
- पाईल्स व फिस्टुला का आधुनिक विधि द्वारा ऑपरेशन

- Ventilators की सुविधायुक्त जिले का सबसे बड़ा I.C.U. / C.C.U. वाला अस्पताल
- Delux Rooms की सुविधा
- अलग - अलग Male & Female वार्ड

इमरजेंसी सेवा एवं सभी प्रकार के हड्डी रोगों के ऑपरेशन की सुविधा **Moduler OT** के साथ

- अपने सामाजिक व नैतिक दायित्व के तहत हॉस्पिटल द्वारा सैनिक / अर्धसैनिक बल के परिवारों, पुलिस बल एवं विकलांग जनों के लिए **फ्री OPD**
- देश के लिए शहीद हुए सैनिकों के परिजनों हेतु OPD / IPD एवं जांचे **पूर्णत: नि:शुल्क**

आधुनिक मशीनों युक्त

- कैथलैब
- CCU
- ICU
- Deluxe Room
- Male Ward
- Female Ward
- अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर एवं लेबर रूम

अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं सहित आपकी सेवा में समर्पित हॉस्पिटल के समस्त डॉक्टर्स एवं स्टाफ

खबर संक्षेप

राज्यसभा सीट के लिए राजपूत समाज को प्रतिनिधित्व देने की मांग

सतनाली मंडी। राज्यसभा में हरियाणा से राजपूत समाज को

प्रतिनिधित्व देने की मांग करते हुए राजपूत सभा महेंद्रगढ़ के पूर्व प्रधान ने कहा कि राजपूत समाज भाजपा का परंपरागत वोटर रहा है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि परंपरागत वोटर होने के बावजूद राजपूत समाज को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने भाजपा से हरियाणा में राज्यसभा की खाली सीट के लिए चुनाव में राजपूत समाज को प्रतिनिधित्व देने की मांग की।

घायल व्यक्ति ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

महेंद्रगढ़। गांव जवाहर नगर के पास सड़क हादसे में घायल हुए व्यक्ति ने हिसार के अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के साले की शिकायत पर अज्ञात गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के साले सुनील ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह गांव बुचावास का निवासी है। 18 जून को वह अपनी बहन के ससुराल जा रहा था, जब वह सतनाली पहुंचा तो जीजा दीनदयाल मिल गया तथा उसके साथ उसका एक साथी प्रीतम भी था। प्रीतम की बाइक बैक कर गांव कुम्हारों की ढाणी के लिए चल दिए। प्रीतम बाइक चला रहा था और जीजा दीनदयाल पीछे बैठा हुआ था। वह भी अपनी बाइक से उनके पीछे-पीछे गांव कुम्हारों की ढाणी के लिए चल दिए।

एससी-बीसी को उचित आरक्षण न देने पर विभिन्न संगठनों ने जताया रोष

एचसीएस भर्ती में आरक्षित वर्ग को पर्याप्त आरक्षण से सरकार ने रखा वंचित

बैठक में सभी संगठनों ने मामले की उच्च स्तरीय गहन जांच कर आरोपित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा लोक सेवा आयोग की ओर से 14 जून 2024 को एचसीएस के घोषित परिणाम में अनुसूचित जाति व पिछड़े वगारे् को आरक्षण से वंचित कर संवैधानिक अधिकारों का खुला उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए विभिन्न संगठनों की गुरु रविदास मंदिर में रोष बैठक हुई। सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में सैनी सभा के प्रधान बिशन कुमार सैनी, राष्ट्रीय कुम्हार महासभा के राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं पूर्व प्रधान किशनलाल लुहानीवाल और गुरु रविदास महासभा के संगठन सचिव एवं पूर्व प्रधान किशनलाल लुहानीवाल और गुरु रविदास महासभा के प्रधान बलबीरसिंह बबेरवाल की संयुक्त अध्यक्षता की। बैठक में सभी संगठनों द्वारा भारी रोष प्रकट करते हुए सरकार की कड़ी भर्त्सना की गई और इस मामले में संयुक्त हस्ताक्षरित पत्र राष्ट्रपति, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राज्यपाल, मुख्यमंत्री व हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव को भेजकर मांग की है कि इस संगीन मामले की उच्च स्तरीय गहन जांच कर आरोपित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। बैठक में सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन करते हुए जोरदार नारेबाजी की गई।

बैठक का संचालन करते हुए संघर्ष समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल ने मामले में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा वर्ष 2019 से 2024 तक की गई एचसीएस की भर्तियों में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के युवाओं को उचित आरक्षण की उपेक्षा कर सरकार द्वारा संवैधानिक अधिकारों का खुलम खुला उलंघन किया गया है। एचसीएस भर्ती प्रक्रिया 2022 में अनुसूचित जाति के आरक्षित 20 पदों में से केवल छह युवाओं को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया गया, जबकि 20 के तीन गुणा के हिसाब से 60 युवाओं को बुलाना चाहिए, परंतु ऐसा ना करके केवल छह युवाओं का चयन करके बाकी 14 पदों को खाली छोड़ दिया गया।

नारनौल। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

यही स्थिति सरकार द्वारा अब एचसीएस भर्ती प्रक्रिया 2023 में भी दोहराई गई। जिसमें अनुसूचित जाति के आरक्षित 31 पदों में से केवल 22 युवाओं को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया गया, जबकि 31 के तीन गुणा के हिसाब से 93 युवाओं को बुलाना चाहिए। यहां यह अचरज का विषय है कि सरकार द्वारा 31 पदों में से केवल 22 पदों पर ही भर्ती करके नौ पद खाली छोड़ दिए गए। वहीं पिछड़ा वर्ग में भी आरक्षित वर्ग के 19 युवाओं को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया गया, जबकि नियमानुसार तीन गुणा बुलाने चाहिए। इस प्रकार पिछड़ा वर्ग के 19 युवाओं की ही भर्ती की गई, जो सरासर आरक्षण का उल्लंघन है।

सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान, पूर्व प्राचार्य डॉ शिवताज सिंह, हरियाणा प्रदेश चमार महासभा के प्रधान अनिल फाण्डन आदि ने सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए अपने संयुक्त वक्तव्य में कहा कि उपरोक्त तथ्यों से यह तो स्वतः जाहिर होता है कि एससी/बीसी के जिन युवाओं की सैटिंग हो गई या जो सरकार का चहेते थे, केवल उन्हीं को साक्षात्कार के लिए बुलाकर एचसीएस में भर्ती कर लिया गया और बाकी युवाओं को दर-दर की ठोकरें खाने के लिए छोड़ दिया गया जिसमें सरकार की जातिगत व आरक्षण विरोधी दुर्भावना स्वतः उजागर होती है। रोष स्वरूप अखिल भारतीय आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष लालाराम नाहर ने बताया कि इस मामले में गत अवधि में सीडब्ल्यूपी नंबर 10749 आफ 2023 सतीश कुमार बनाम हरियाणा सरकार व अन्य द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में केस भी दायर किया हुआ है। सरकार की दुर्भावना से ग्रस्त आरक्षण व संविधान विरोधी इस कार्यशैली से हरियाणा के समस्त एससी व बीसी समाज में भारी रोष व्याप्त है और सभी बहुजन संगठन सरकार की इस अव्यवहारिक कार्यशैली की घोर निन्दा करते हैं। न्याय ना मिलने की अवस्था में हरियाणा का समस्त अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग रोष प्रदर्शन व धरना आदि की रणनीति बनाने के लिए बाध्य होगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर धर्मशाला खटीक सभा के प्रधान डॉ. सतवीर सिंह चौहान, धानक समाज के शिवनारायण मोरवाल, रविदास एवं अंबेडकर महासभा फेडरेशन के प्रदेश लेखा परीक्षक रामकुमार ढ़ैणवाल, इम्पावरमेंट के प्रधान एवं प्राचार्य अमरसिंह निमहोरिया, संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष राजेश चांवरिया, डॉ. अम्बेडकर जन जागृति मंच के प्रधान जसवंत भाटी, खण्ड अटेली के प्रधान प्रभु दयाल व कोषाध्यक्ष दयानंद सांवरिया, डॉ. अम्बेडकर युवा समिति के प्रधान अनिल महाय्च, महासचिव मैनपाल महाय्च, एडवोकेट गजानंद दोचानिया, कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्यारेलाल चवन, सामाजिक परिवर्तन संघ के सचिव सुमेर सिंह गोठवाल, हरियाणा प्रदेश चमार महासभा के महासचिव गुरदयाल सिंह नाहर, रामचंद्र गोठवाल, पूर्व प्रबंधक जयपाल सिंह, पूर्व चीफ मैनेजर मदनलाल डाडैया व विजय सिरोहा, पूर्व विजिलेंस इंस्पेक्टर अतरसिंह खिंची, पूर्व प्रधान आरसी ग्रोवर, हरिराम सिरोहा, सचिव हजारीलाल खटावला, अमरनाथ सिरोहा, रामनिवास, वाल्मीकि समाज के करतार सिंह जैदिया, राजेन्द्र सिंह जालवान, कन्हैयालाल कालोरिया, स्योताज सिंह कोथलखुर्द, मामनराम, नम्बरदार साधुराम, बलबीर सिंह, एडवोकेट सुभाष कामरेड, मोहनलाल आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नारनौल। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में सम्मेलन को संबोधित करते प्रदेश सचिव महेंद्र बोयत। फोटो : हरिभूमि

कर्मचारियों की मांगों की उपेक्षा करने का आरोप

■ पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में हुआ सर्वकर्मचारी संघ का सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में सर्वकर्मचारी संघ का सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता संघ के जिला प्रधान कौशल यादव ने की। कौशल यादव ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री से बार-बार वार्ता होने के बावजूद भी हरियाणा सरकार कर्मचारियों से किए गए वादों पर खरा नहीं उतर रही। सरकार लगातार कर्मचारियों की मांगों को अनदेखी कर रही है। प्रदेश के समस्त कर्मचारी सरकार का रवैया देखते हुए नाराज हैं और उनमें रोष पनपा हुआ है। यदि कर्मचारियों की मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो कर्मचारी एकजुट होकर सरकार के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे और इसकी जिम्मेवारी हरियाणा सरकार की होगी। इस मौके पर सर्व कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव महेंद्र बोयत ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों से प्रदेश में ठेका प्रथा खत्म करने का वादा किया था, लेकिन यह ठेका प्रथा आज भी जारी है। नगर परिषद में कूड़ा उठान कार्य में लगाए गए टैंपो चालक इसका जीता-जागता उदाहरण हैं और उनको समय पर वेतन भी नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि सरकार ने हरियाणा कौशल विकास निगम भी मनमर्जी से बना रखा है, जबकि कर्मचारी इसके खिलाफ हैं। एचकेआरएन के तहत मिली नौकरी की कोई गारंटी नहीं कि वह कब तक रहेगी। न ही इसमें रिटायरमेंट एवं कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। इसलिए सरकार एचकेआरएन खत्म करके प्रदेश में जो भी भर्ती करे, वह रेगुलर भर्ती होनी चाहिए। सरकार को कर्मचारियों के हित की पहली मांग पुरानी पेंशन को बहाल करना चाहिए। अन्यथा एमपी-एमएलए की पेंशन को भी खत्म किया जाए, क्योंकि कर्मचारी जवानी से भरपूर अपना जीवन सरकार को सौंप देता, तब भी उसे पेंशन नहीं मिलती और एमपी-एमएलए एकबार भी बन जाएं तो उन्हें हमेशा के लिए पेंशन मिलती है, यह घोर अन्याय है। सम्मेलन में जिला सचिव राहुल सारवान, नगर पालिका कर्मचारी संघ नारनौल इकाई के सचिव महावीर प्रसाद, सुनील कुमार, नरेंद्र कुमार, अनिल, पूर्णचंद, संजय, मनोज व विनोद धौबी आदि मौजूद थे।

गोहाना में कबीर जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पहुंचे सर्व समाज के नागरिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पूरी दुनिया को मानवता, भाईचारा, सद्भावना और प्रेम का संदेश देने वाले महान संत कबीर दास जी की जयंती पर शनिवार को गोहाना में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में भाग लेने के लिए जिला महेंद्रगढ़ से भी सर्व समाज के लोगों की भागीदारी रही। नागरिकों ने उत्साह, उल्लास व उमंग के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। बस की रवानगी के मौके पर बीजेपी के जिला अध्यक्ष दयाराम यादव भी मौजूद थे। नागरिकों को इस कार्यक्त्रम में ले जाने की व्यवस्था सूचना, जनसंपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग की ओर से की गई। इस संबंध में विभाग के महानिदेशक मनदीप सिंह बराड़ ने विगत दिनों संत कबीर दास जयंती की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। शनिवार को गोहाना पहुंचकर नागरिकों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह के संबोधन को सुना। इस मौके पर सरपंच कृष्ण नसीबपुर, रविदत्त सरपंच पालड़ी, प्रिंसिपल उमेद जड़वा, सुबेदार अमरसिंह, राजेश्वरी देवी प्रमुख समाज सेवक, डा. नेतराम सेहलंग, सुमेरसिह टीएम आदि मौजूद थे।

नारनौल। कबीर जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए रवाना होते सर्व समाज के नागरिक। फोटो : हरिभूमि

हजरस का राज्यस्तरीय अधिवेशन 29 को

नारनौल। 29 जून को महेंद्रगढ़ में होने वाले हजरस के राज्य स्तरीय 7वें अधिवेशन के लिए आमंत्रण देने के लिए पहुंची जिला कार्यकारिणी टीम ने हाउसिंग बोर्ड नारनौल तथा हुडा सेक्टर एक में कर्मचारियों से मुलाकात की तथा कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। जिला प्रधान विजेंद्र चौहान, हजरस स्टेट बॉडी से सुरेश सरोहा, हजरस खण्ड महेंद्रगढ़ से राकेश सहित जयसिंह नारनौलिया, सुशील शीलू, सुरेंद्र अंबेडकर, रणधीर सिंह धीरू, आत्मप्रकाश भाटी आदि ने कर्मचारियों से बात की तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन महेंद्रगढ़ में होने वाले कार्यक्रम के लिए आमंत्रण पत्र बांटे। गौरतलब है कि हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ हर साल राज्य स्तरीय अधिवेशन करता है, जिसका मेजबान पहली बार जिला महेंद्रगढ़ को बनाया गया है।

नारनौल। हजरस के अधिवेशन का निमंत्रण देते हुए। फोटो : हरिभूमि

नशा मुक्त पखवाड़ा के तहत खेल प्रतियोगिता आयोजित, नशे के विरुद्ध किया जागरूक

महेंद्रगढ़। नशा मुक्त हरियाणा पखवाड़ा के तहत रिवासा में थाना शहर पुलिस की तरफ से क्रिकेट, रस्साकस्सी और दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पुलिस द्वारा प्रदेशभर में नशा विरोधी अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत पुलिस जिले में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, शिक्षण संस्थानों इत्यादि में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कर युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक कर रही है।

थाना शहर पुलिस ने गांव रिवासा में खेल प्रतियोगिता आयोजित कराई। खेल प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीणों, युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक किया। थाना शहर प्रबंधक उदयभान ने खिलाड़ियों से संवाद किया और नशे से दूर रहकर खेलों के प्रति प्रेरित किया। इसके बाद गांव की टीमों के बीच क्रिकेट मैच खेला गया। मैच में जीतने वाली टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद युवाओं की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को मेडल से सम्मानित किया गया। अंत में गांव के युवाओं के बीच रस्साकस्सी की प्रतियोगिता आयोजित कराई, जिसमें जीत हासिल करने वाली टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

महेंद्रगढ़। विजेता टीम को ट्राफी देकर सम्मनित करते हुए।

जगदीश बने ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के सतनाली ब्लॉक सचिव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

सामुदायिक भवन में ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा संबंधित एआईयूटीयूसी की ब्लॉक सतनाली की चुनावी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान पवन कुमार व संचालन एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबे सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन की सतनाली ब्लॉक कमेटी का गठन किया. जिसमें जगदीश प्रसाद को ब्लॉक प्रधान, लाली देवी को उप प्रधान, अशोक नागर को सचिव, आनन्द कुमार को सहसचिव, परमवीर को संगठन सचिव, रामनिवास को सलाहकार, संजय कुमार को प्रैस सचिव बनाया गया। जिला प्रधान पवन कुमार ने बताया कि ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की न्यायसंगत मांगों को लेकर प्रतिनिधिमंडल जन्द ही मुख्यमंत्री से चण्डीगढ़ में मिलेगा। इस मौके पर रमेश, रवि, रामफल, चरणसिंह, अशोक, ब्रह्मप्रकाश, सुरेश, विकास, कपिल आदि उपस्थित रहे।

सतनाली। नवगठित पदाधिकारियों के साथ जिला प्रधान व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हुड्डा पार्क में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

योग से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से कई फायदे होते हैं। योग मुद्राओं से शरीर में लचीलापन, ताकत और संतुलन में सुधार के साथ-साथ वजन कम करने, मांसपेशियों का निर्माण करने और अपने दिमाग को अपने शरीर से जोड़ने में मदद मिलती है। यह बात पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हुड्डा पार्क में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में कही। इसमें लगभग 600 पुरुष, महिलाओं एवं बच्चों ने भाग लिया। पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा व उनके साथ एसडीएम संजीव कुमार ने भी विभिन्न प्रकार की योग क्रियाएं की। इस अवसर पर आयुष ब्लॉक कोऑर्डिनेटर डॉ. नवीन कुमार, डॉ. नितिन जांगड़ा, एचएमओ डॉ. इंदु अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष पवन खैरवाल, नवीन शर्मा, डिस्पेंसर होशियार, शमशेर, हेमंत, अनिल शर्मा, योग सहायक संजय, मास्टर लक्ष्मण सिंह आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। योग क्रियाएं करते पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा, साथ एसडीएम संजीव कुमार।

संत कबीर की शिक्षाएं समाज को आज भी दे रही दिशा

कनीना। संत कबीर की शिक्षाएं आज भी समाज को दिशा दे रही हैं। ये विचार कंवरसैन वशिष्ठ ने शनिवार को कनीना में आयोजित संत कबीर जयंती के उपलक्ष्य में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जो दो लोगों या कामों के बीच में फंस जाता है, उसका जीवन अशांत हो जाता है। संत कबीर से जुड़ी मान्यता के मुताबिक वाराणसी, काशी के पास लहरतारा तालाब किनारे नीरू और नीमा नामक मुस्लिम दंपति को एक नवजात शिशु मिला था। बड़ा होकर ये शिशु कबीर नाम से प्रसिद्ध हुआ। कबीरदास का घर आज भी चौरा मठ क्षेत्र के नाम से प्रसिद्ध है।

नारनौल। नशे के बारे में जानकारी देते रोहतास सिंह रंगा।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत भांखरी में जागरूकता एवं मेडिकल शिविर आयोजित

नारनौल। जिला बाल कल्याण परिषद के तत्वावधान में नशा मुक्ति केंद्र की ओर से चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शनिवार गांव भांखरी के प्राइमरी स्कूल में जागरूकता एवं मैडिकल शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र से परियोजना निदेशक रोहतास सिंह रंगा ने उपस्थित लोगों को विभिन्न प्रकार के नशा अवैध व्यापार के मुद्दों, नशे से होने वाले नुकसान व हानि के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नशे के सेवन करने वाले व्यक्ति को कैंसर जैसी जानलेवा बिमारी हो सकती है। इसलिए सभी प्रकार के नशीलें पदार्थोंर् आदि का सेवन करने से दूर रहना चाहिए। अगर हमारे आस पास कोई रिश्तेदार या जानकार नशे का सेवन करता हुआ मिलता है तो उसे भी इस बारे में जागरूक करना चाहिए ताकि हम एक स्वस्थ भारत के निमार्ण में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने लोगों को केन्द्र की गतिविधियों के बारे में भी विस्तार से बताया। 24 जून को गांव हुडिना में नशा विरोधी जागरूकता एवं मैडिकल शिविर लगाया जाएगा। इस अवसर पर गांव की सरपंच शारदा देवी के प्रतिनिधि सुमेर सिंह ने उपस्थित लोगों को नशा छोड़ने की अपील की। इस शिविर में गांव के लगभग 50 लोगों ने भाग लिया। इनमें से 12 लोगों की नशे से पीड़ित के रूप में पहचान की गई तथा उन्हें निशुल्क परामर्श, दवाइयां व प्रचार सामग्री वितरित की। इस मौके पर गांव से महेंद्र सिंह, जितेंद्र, राजेश कुमार, संदीप कुमार, बस्ती राम, होशियार सिंह, नरेंद्र कुमार व नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र से जयपाल सिंह परामर्शदाता, दिनेश कुमार लेखाकार, ममता रानी स्टाफ नर्स उपस्थित रहे।

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का प्रतिनिधि मंडल सीएम से करेंगा मुलाकात, प्रमुख मांगों को लेकर करेंगे चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन संबंधित एआईयूटीयूसी की ब्लॉक की बैठक शनिवार को जिला प्रधान पवन कुमार की अध्यक्षता में यादव धर्मशाला में हुई। बैठक का संचालन एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सूबे सिंह ने किया। जिला प्रधान पवन कुमार ने कहा कि यूनियन का एक सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की ज्वलंत न्यायसंगत मांगों को लेकर शीघ्र ही मुख्यमंत्री से चंडीगढ़ में मिलेगा। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में सफाई कर्मचारियों को नियमित करने, न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये लागू करने, स्वचालित कूड़ा वाहन उपलब्ध कराने, ग्रामीण सफाई कर्मचारी के रिटायरमेंट पर एकमुश्त 10 लाख रुपये देने, मास्क सहित सुरक्षित उपकरण उपलब्ध कराने, एक्सग्रेसियां नीति लागू करने, सरपंचों का नाजायज हस्तक्षेप खत्म करने जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं।

महेंद्रगढ़। यादव धर्मशाला में बैठक करते ग्रामीण सफाई कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

जिला प्रधान पवन कुमार ने कहा कि गांवों में स्वच्छ भारत मिशन को कामयाब करने में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का अतुलनीय योगदान है, जिसे भूलाया नहीं जा सकता। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के इस अतुलनीय योगदान का सच्चा सम्मान यही होगा कि गांवों को साफ-सुथरा रखने वाले ग्रामीण सफाई कर्मियों की न्यायसंगत मांगों को सरकार स्वीकार करें। एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सूबे सिंह ने कहा कि केंद्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के बैनर तले जन आंदोलन के माध्यम से ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की न्यायसंगत मांगों के लिए संघर्ष किया जाएगा, क्योंकि जनतंत्र में जन समस्याओं का समाधान जन आंदोलन से ही संभव है।

इस दौरान बनवारी लाल, सुमित्रा, सुमन, दीपक, राजपाल, रामप्रसाद ने भी कर्मचारियों को संबोधित किया तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन के जिला उपप्रधान मुकेश कुमार यादव ने ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से स्वीकार करने की पुरजोर मांग की।

इस मौके पर प्रीतम, सुमन, अनिल, सुनिल, राजेंद्र, मुकेश, विजय कुमार, ईश्वर, नरेश, बिजेंद्र, रिंकू, कृपाल सिंह, धर्मबीर, सतविंद्र, रामकुमार, धमेंद्र, सिकंदर, महेंद्र, सतीश, सुभाष, कृष्ण, हरिराम, दीपक, राजपाल सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

ब्लड डोनेट कर मनाया जन्मदिन

नारनौल। रक्तदान कर आशीष रोहिल्ला ने अपना जन्मदिन मनाया। आशीष ने कहा कि इससे बढ़िया जन्मदिन और क्या हो सकता है। रक्तदान करने से खून की कमी से जूझ रहे मरीजों की जान बचेगी। यही सोचकर रक्तदान करने का निर्णय लिया। इसी सकारात्मक सोच के चलते युवा साथी ग्रुप के समाजसेवी आशीष ने अपना 26वें जन्मदिन पर जिला ब्लड बैंक नारनौल पहुंचकर स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से अपील की कि प्रत्येक 18 से 60 वर्ष के स्वस्थ महिला पुरुष, युवक-युवतियों को अपने एवं अपने परिजनों के जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ पर या महापुरुषों की जयंती के अवसर पर वर्ष में एकबार अवश्य रक्तदान करना चाहिए। लोगों को रक्तदान करने में किसी भी प्रकार का संकोच नहीं करना चाहिए। न ही किसी अवधारणा के वशीभूत होकर किसी की बातों में आना चाहिए। एक स्वस्थ व्यक्ति प्रत्येक तीन माह में एकबार तथा वर्ष में चार बार रक्तदान कर किसी का जीवन बचा कर पुण्य लाभ ले सकता है।

खबर संक्षेप

नारनौल। वाटरकूलर का शुभारंभ करते हुए सूबेदार प्रकाश चंद यादव व गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

स्वर्गीय दाताराम की याद में बेटे ने लगाया वाटरकूलर

नारनौल। नांगलकाठा निवासी सेवानिवृत्त सूबेदार प्रकाश चंद यादव ने अपने पिता स्वर्गीय दाताराम यादव की याद में नांगलकाठा से शिवपुरा की तरफ जाने वाले रास्ते पर राधाकृष्ण धर्मशाला में एक वाटर कूलर (फ्रिजर) स्थापित करवाया है। गांव की धर्मशाला में आमरास्ते पर यह वाटर कूलर लगने से लोगों को गर्मी के सीजन में पीने का ठंडा पानी मिल सकेगा। सूबेदार प्रकाश चंद यादव ने कहा कि अपने पूर्वजों की याद में सभी लोगों को धर्म-कर्म एवं जनसेवा के कार्य करने चाहिए। इससे हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। बड़े-बुजुगार्रें एवं पूर्वजों के आशीर्वाद से हम सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ते हैं। इस मौके पर उनके साथ गांव के सरपंच प्रतिनिधि अभयसिंह यादव, संदीप पंच व रामौतार ठेकेदार आदि भी मौजूद थे।

तिवाड़ी डेयरी फार्म ने लगाई छबील

नारनौल। आजाद चौक में तिवाड़ी डेयरी फॉर्म की ओर से दानपुण्य के महत्व को समझकर शनिवार को मीठे पानी की छबील लगाई और आते-जाते राहगीरों को ठंडाई पिलाई। आजकल क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण लोगों ने लगी छबील पर अपने गले को तर किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से तुलसीराम तिवारी, कमला देवी, मनीराम, पप्पू तिवारी, गोला भूषण, युवराज, राकेश, महावीर, मनीराम, मनोज, आकाश, धनंजय, निखिल व कपिल आदि शामिल रहे।

महेंद्रगढ़। राहगीरों को माठा जल पिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

मीठा पेयजल पिलाकर गर्मी से दिलाई राहत

महेंद्रगढ़। ऑटो मार्केट स्थित भावेश स्पोर्ट्स हब पर शनिवार को राहगीरों को मीठा शराबत पिलाया गया। उन्होंने बताया कि बाजार में आवागमन करने वाले राहगीरों को भीषण गर्मी में कुछ राहत प्रदान करने के लिए सभी आने जाने वालों को शीतल शरबत पिलाकर उन्हें गर्मी से कुछ राहत देने का प्रयास किया। जिससे लोगों का जीना मुहाल हो रहा है। ऐसी प्रचंड गर्मी में शीतल जल लोगों के लिए राहत का स्त्रोत हैं। गर्मी से परेशान लोगों ने शीतल जल पीकर राहत महसूस की और इस मुहीम को चलाने वालों को आशीष दिए।

गांव ढाकोड़ा में वॉलीबाल एवं दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

युवाओं को नशे से दूर रहने और नशा न करने के लिए किया प्रेरित, दिलवाई शपथ

नारनौल। ढाकोड़ा में वॉलीबाल खेलते ग्रामीण व पुलिस व ग्रामीणों को सम्मानित करते हुए निरीक्षक देवेंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

आसरावास ढाकोड़ा व गांव नायण के बीच वालीबॉल मैच खेला गया, जिसमें गांव आसरावास ढाकोड़ा की टीम मैच विजेता रही।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नशा मुक्त हरियाणा पखवाड़ा के तहत नांगल चौधरी के गांव आसरावास ढाकोड़ा के खेल मैदान में थाना नांगल चौधरी पुलिस ने नशा निषेध अभियान के अंतर्गत युवाओं को नशे से दूर रहने एवं नशा तस्करों के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के बारे में जागरूक किया। थाना नांगल चौधरी प्रबंधक निरीक्षक देवेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा राज्य नाकारेटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रमुख ओपी सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के मार्गदर्शन में हरियाणा में विशेष अभियान चलाया हुआ है। पुलिस द्वारा गांव में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक किया और खेलों के प्रति प्रेरित किया। इस दौरान थाना प्रभारी ने विभिन्न आयु वर्ग के युवाओं से संवाद भी किया। उनके सवालों के जवाब दिए और उन्हें नशा न करने के प्रति जागरूक किया। युवाओं को स्वयं नशा से दूर रहने, अपने साथियों एवं परिजनों को प्रेरित करने के लिए कहा। निरीक्षक देवेंद्र सिंह ने युवाओं को हर स्तर पर नशे का विरोध करने के लिए जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लोग एक रोल मॉडल के रूप में देखते हैं। इसलिए उन्हें नशे से दूर रहना चाहिए और दूसरों को भी नशा न करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस दौरान वहां पर मौजूद युवाओं के साथ ई-प्लेज का लिंक भी शेयर किया गया। पुलिस द्वारा बीती शाम को थाना नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव आसरावास ढाकोड़ा में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इस दौरान आसरावास ढाकोड़ा व गांव नायण के बीच वालीबॉल मैच खेला गया, जिसमें गांव आसरावास ढाकोड़ा की टीम मैच विजेता रही। इसके बाद विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। थाना प्रभारी के द्वारा खिलाड़ियों व गांव के नौजवान युवकों नशे से होने वाले नुकसान के बारे मे बताया गया। इसके बाद दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। दौड़ में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि अगर आपको कहीं पर भी नशा बिकता हुआ दिखाई देता है तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, सूचना देने वाले का नाम पता पूर्णतया गुप्त रखा जाएगा।

सतनाली। खिलाड़ी को सम्मानित करते थाना प्रभारी मुकेश कुमार।

ढाणा गांव में खेल प्रतियोगिता आयोजित

सतनाली मंडी। पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा के दिशा निर्देशों में जिला पुलिस द्वारा आमजन को नशे के खिलाफ जागरूक किया जा रहा है और नशे का कारोबार करने वालों की सूचना पुलिस को देने की अपील की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस द्वारा 12 से 26 जून तक नशा मुक्त हरियाणा पखवाड़ा चलाया हुआ है, जिसके तहत सतनाली के गांव ढाणा में शुक्रवार को खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया। खेल प्रतियोगिताओं में गांव ढाणा और आसपास के गांवों के काफी युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान वॉलीबाल और दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। वॉलीबाल में विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। दौड़ में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान थाना सतनाली प्रबंधक निरीक्षक मुकेश कुमार ने युवाओं, लोगों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी और साथ ही अपील की कि नशे का कारोबार करने वालों की सूचना पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है और इस बुराई से लड़ने के लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होना होगा। तभी हम इस अभिशाप को जड़ से खत्म कर सकते है। उन्होंने कहा कि अनेक युवा जो नशे में किसी कारणवश धंस जाते हैं और फिर उस नशे की पूर्ति के लिए कोई भी आपराधिक वारदात करने से नहीं हिचकिचाते। खेल के माध्यम से युवाओं, ग्रामीणों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया और कहा कि युवा अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगाएं।

भागवत सुनने से आती है सुख समृद्धिः गोपी लाडली महाराज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव सराय बहादुर नगर में चल रही सात दिवसीय भागवत कथा में शनिवार को व्यासपीठ पर विराजमान गोपी लाडली महाराज ने रूकमणी विवाह तथा महारास कथा सुनाकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर किया। कथा को आगे बढ़ाते हुए गोपी लाडली महाराज ने कहा कि भागवत कथा से संशय दूर होता है। कथा सुनने वालों में धर्म के प्रति आस्था बढ़ती है। व्यक्ति दुर्गण छोड़कर सत पथ की तरफ अग्रसर होता है। इस मौके पर अतरलाल एडवोकेट ने कथा स्थल पर पहुंचकर व्यासपीठ पर विराजमान गोपीलाडली महाराज को शॉल ओढ़ाकर तथा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने श्रद्धालुओं से भागवत को अपने कर्म तथा जीवन में उतारने की अपील करते हुए कहा जिस तरह नदियां समुंद्र में अपने आप चली जाती हैं, उसी तरह भागवत सुनने वालों के पास सुख समृद्धि अपने आप आ जाती है। उन्होंने सराय बहादुर नगर की महिला टीम का गांव में कथा करवाने के लिए धन्यवाद किया। इस अवसर पर पिंकी देवी, अनीता, कृष्णा, कौशल्या, सुशीला, संतोष, बाबूलाल, प्रदीप, सीताराम, बस्तीराम, राजेंद्र कौशिक, गंगासिंह, भगतसिंह, राजकरण, गीता देवी, कैलाश देवी, प्रेमदेवी, राजबाला, कमला, कमलेश, चमेली, आशा, माया, रामकला, हंसा, रजनी, सुमन व मुकेश आदि के अलावा सैंकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो काबू

- एक की छीना-झपटी की वारदात का भी हुआ खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सीआईए पुलिस टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक सहित दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान सिगड़ी निवासी अजय और कपिल के रूप में हुई।

आरोपितों के कब्जे से चोरीशुदा बाइक को बरामद कर जब्त किया गया। पुलिस ने पूछताछ में पता लगाया कि आरोपित चोरी की बाइक को बेचने के लिए जा रहे थे। पूछताछ में आरोपितों से तीन बाइक चोरी और एक छीना-झपटी की वारदात का खुलासा हुआ है। आरोपितों को शनिवार को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस

महेंद्रगढ़। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि सीआईए की टीम गस्त के दौरान माजरा चुंगी पर मौजूद थी, उसी समय टीम को गुप्त सूचना मिली कि अजय वासी सिगड़ी व कपिल वासी सिगड़ी ने मिलकर करीब 8-10 दिन पहले एक मोटर साइकिल रेवाड़ी बस अड्डे के पास से चोरी की थी। कुछ समय बाद ये दोनों मोटर साइकिल पर सवार होकर सिगड़ी से महेंद्रगढ की तरफ आ रहे है।

अगर तुरंत प्रभाव से नाकाबंदी कर चेकिंग की जाए तो आरोपितों को चोरी की बाइक सहित पकड़ा जा सकता है। सूचना पर टीम ने माजरा चुंगी से कनीना रोड पर नाका बंदी शुरू कर दी, कुछ समय बाद एक मोटर साइकिल आती हुई दिखाई दी जिस पर दो नौजवान लड़के बैठे हुए थे, टीम ने मोटर साइकिल को रोकने का इशारा किया तो चालक ने एकदम मोटर साइकिल को पीछे मोड़कर भागने की कोशिश की। दोनों लडकों को मोटर साइकिल सहित काबू किया, जिनसे पूछताछ में मोटर साइकिल चालक ने अपना नाम अजय व दूसरे ने अपना नाम कपिल बताया। दोनों लड़कों से मोटर साइकिल के कागजात पेश करने बारे कहा तो कोई कागजात पेश नहीं कर सके। मोटर साईकल को चेक किया तो मोटर साइकिल रेवाड़ी क्षेत्र से चोरी हुई पाई, जिस पर थाना शहर रेवाड़ी में 13 जून को चोरी की धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

कांग्रेसी सांसद जयप्रकाश की टिप्पणी पर जताया रोष

नांगल चौधरी। हिसार के सांसद जयप्रकाश ने बयान दिया है कि पुरुष ही परिवार का वारिस हो सकता है, महिलाएं नहीं। जिस पर किरण समर्थक कांग्रेसी की टिकट पर प्रत्याशी रहे राजाराम गोलवा ने रोष जताते हुए पार्टी हाईकमान से कार्रवाई की मांग की है। कहा कि भारतीय संविधान में महिला एवं पुरुषों को बराबरी का अधिकार है। इस तुगल्लकी बयान से महिलाओं के सम्मान को आघात पहुंचा है। इसलिए पार्टी हाईकमान से कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि संविधान में महिला व पुरुषों को समान अधिकार है। प्रत्येक नागरिक को सवारेच्च पद पर आसीन होने का हक है, बशर्ते उसमें काबलियत होनी चाहिए। बावजूद हिसार के सांसद ने किरण चौधरी को पूर्व सीएम बंशीलाल की वारिश मानने से इंकार कर दिया। कहा है कि वारिश केवल पुरुष ही हो सकते हैं।

जीएल महिला कॉलेज का परिणाम रहा सराहनीय

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी की ओर से घोषित किए बीएससी छठे सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में जीएल महिला कॉलेज कनीना की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बीएससी नॉन-मेडिकल में कनीना निवासी निकिता पुत्री देवेंद्र व बहाला निवासी मधु पुत्री अशोक ने 83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

निकिता

मधु

रीना

वहीं मोहनपुर निवासी रीना पुत्री रतिराम ने 82.4 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, बहाला निवासी रितु पुत्री सुल्तान व भड़फ निवासी मोनिका पुत्री राजेन्द्र 81.33 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रही। दूसरी ओर बीएससी मेडिकल छठे सेमेस्टर का परिणाम भी सराहनीय रहा। कनीना निवासी साक्षी पुत्री पुष्पेन्द्र ने 81.11 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, लिसान निवासी प्रिया पुत्री रामकिशन ने 80 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अन्य छात्राओं का परिणाम भी सराहनीय रहा। कॉलेज निदेशिका डॉ. रिम्पी ने सभी छात्राओं, अभिभावकों व अध्यापकों को बधाई दी।

झुग्गी झोपड़ी में फल व बिस्किट किए वितरित

नारनौल। अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से अनोखी पहल से गरीब बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान जब अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला का जन्मदिन के अवसर पर झुग्गी झोपड़ी बस्ती में जाकर बच्चों के साथ केक काटा गया। प्रेरणा दिवस के रूप में आयोजित ये जन्मदिन पर बच्चों को फल व बिस्किट भी वितरण किए गए। इसके उपरांत श्री अग्रवाल सभा नारनौल द्वारा संचालित महाराजा अग्रसेन रसोई में जरूरतमंदों को खाना वितरण किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष संदीप नूनीवाला, प्रदेश युवा महासचिव मोनू गर्ग, जिला उपाध्यक्ष सीताराम सर्राफ, जिला उपाध्यक्ष तुलसी गोयल, जिला कोषाध्यक्ष पुरन चंद सिंघल, लखन गोयल, नवीन अग्रवाल, जिला युवा उपाध्यक्ष कार्तिक अग्रवाल, राम गोपाल अग्रवाल, श्याम सुंदर बंसल, धर्मेंद्र सिंघल उपस्थित थे। इस दौरान मौजूद गरीब बस्ती के बच्चे बेहद उत्साहित दिखे।

किड्जी के छात्रों ने मनाया योग दिवस

- योग एक स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली को प्रोत्साहित करता है : नितिन यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सिटी किड्जी वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विशेष रूप से अपने घर पर रहकर अभिभावकों के सान्निध्य में मनाया।

प्राचार्या विनय यादव ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के चलते भले ही छात्र अपने घर पर रहे, फिर भी उन्होंने अपने अभिभावकों के सान्निध्य में योग दिवस को यादगार बनाने के लिए स्कूल की ओर से आयोजित इस मुहिम में हिस्सा लेकर स्वास्थ्य लाभ उठाया। विद्यार्थियों ने योग दिवस पर योगाभ्यास की फोटो भी अपने विद्यालय में भेजी। मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन यादव ने कहा कि 19 जून 2015 को पहली बार दुनियाभर में योग दिवस मनाया गया था। अब हर वर्ष 21 जून को यह दिवस मनाया जाता है।

चेयरमैन विजय सिंह यादव ने कहा कि सभी अभिभावकों को चाहिए कि वे संकल्प लें कि वे योग को अपने व अपने बच्चों की दिनचर्या में अवश्य शामिल करें और उनके स्वस्थ और खुशहाल जीवन की और कदम बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि भारत ने ही योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और योग के जरिए सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा मिला।

महेंद्रगढ़। योग की क्रिया करते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेस पार्टी ने हमेशा महिलाओं का किया अपमान : कविता यादव

हरिभूमि न्यूज नारनौल

गत दिवस हिसार के सांसद जयप्रकाश द्वारा महिलाओं के खिलाफ दिए गए बयान की कड़ी निंदा करते हुए भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला महामंत्री कविता यादव ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ही महिलाओं का अपमान किया है।

कांग्रेस के नेताओं को नहीं पता कि भारतीय संस्कृति में महिलाएं ही परिवार की असली विरासत को संभालती थी और महिलाएं ही परिवारों की मुखिया होती थी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को मान सम्मान देते हुए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे को सार्थक किया। महिलाओं को लोकसभा, विधानसभा चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया। पंचायतों में 50 प्रतिशत आरक्षण

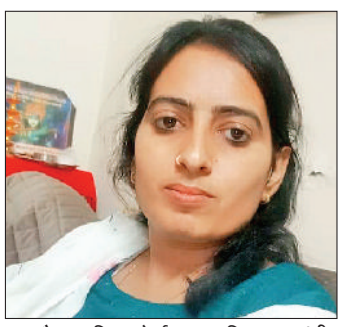

नारनौल। महिला मोर्चा भाजपा जिला महामंत्री कविता यादव। फोटो :हरिभूमि

दिया। लेकिन कांग्रेस ने हमेशा ही महिलाओं का अपमान किया और उन्हें नीचा दिखाने का कार्य किया है। हाल ही में भाजपा नेत्री किरण चौधरी के विषय में बोलते हुए जयप्रकाश ने कहा था कि असली विरासत महिलाएं नहीं पुरुष होते हैं जो उनकी घटिया मानसिकता का परिचायक है। कांग्रेसी नेता पांच सीट जीतने के बाद घमंड से भरे हुए है तथा हमेशा ही घमंड़ियां बात करते हैं। बहन-बेटियों और महिलाओं की इज्जत करना कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के नेताओं को नहीं आता है। कविता यादव ने हिसार सांसद जय प्रकाश जेपी से सार्वजनिक रूप से महिलाओं से माफी मांगने को कहा है यदि वे माफी नहीं मांगते हैं तो भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज का अभिन्न अंग है तथा वह हर क्षेत्र में अपनी अग्रणीय भूमिका निभा रही है। महिलाएं देवी का रूप है, महिलाएं दुर्गा का रूप है, महिलाएं शक्ति का रूप है, महिलाओं को किसी भी सूरत में कम नहीं आकना चाहिए।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सरकारी स्कूल के विद्यार्थी प्रार्थना सभा में करेंगे योग, विभाग ने आदेश किए जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- स्कूल में सुबह पांच मिनट तक विद्यार्थियों को सिखाएं जाएंगे योग के गुर, इसके महत्व से भी करवाना होगा अवगत

योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ ही तनाव को दूर करने में भी अहम भूमिका निभाता है। राजकीय स्कूलों में विद्यार्थियों का शिक्षा स्तर सुधारने के साथ ही शिक्षा विभाग उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर रखने के बाद शुरू लिए प्रयास कर रहा है। इसको लेकर विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने सभी स्कूलों में विद्यार्थियों की दिनचर्या में योग को शामिल करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर जरूरी निर्देश दिए हैं। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद इसे सभी राजकीय स्कूलों में लागू कर दिया जाएगा। यही नहीं स्कूल निर्देशों की पालना कर रहे हैं या नहीं, इस पर भी विभाग की नजर रहेगी। इसके लिए विभाग ने हरियाणा योग आयोग को इसके निरीक्षण का दायित्व सौंपा है। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की तरफ से जारी पत्र में स्पष्ट कहा गया हैं कि प्रत्येक स्कूल में सुबह पांच मिनट तक विद्यार्थियों को योग के गुर सिखाएं जाए। योग प्रशिक्षक प्रार्थना सभा में सभी विद्यार्थियों को योग का प्रशिक्षण देंगे और इसके महत्व से भी अवगत कराएंगे। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने पत्र में लिखा है कि विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए योग करवाना बहुत जरूरी है, ताकि विद्यार्थी स्वस्थ रहे और तनाव से दूर रहे। विद्यार्थी तनाव से दूर रहेंगे तो अच्छे से पढ़ाई में मन लगेगा। पत्र में यह भी कहा गया है कि समय-समय पर हरियाणा योग आयोग की टीम स्कूलों का निरीक्षण करेगी। प्रार्थना सभा के बाद पांच मिनट तक पीटीआई विद्यार्थियों को योग करवाएंगे। योग क्रिया को विद्यार्थी अपने दिनचर्या में इस्तेमाल करेंगे। योग करने से विद्यार्थियों को योग का महत्व पता चल पाएगा। विद्यार्थी घर पर भी जाकर शाम के समय अपने अभिभावकों के साथ योग कर सकेंगे। खेलों का विद्यार्थी जीवन में अलग ही महत्व होता है। योग क्रिया भी इसमें शामिल है। सुबह के समय विद्यार्थियों को पांच मिनट तक योग क्रिया करवाई जाएगी। इसमें सबसे पहले सूर्य नमस्कार करवाया जाएगा। इसके अलावा ताड़ासन, अर्ध चंद्रासन, उतकूट, ति को ना आसान जैसी योग क्रिया क र वा ई जा ए गी । इ स से विद्यार्थियों का स्वास्थ्य स्वस्थ रहेगा और तनाव भी दूर होगा।

NOTICE

I, Hitherto known as Samsher S/o Ombir R/o 289, Sagarpur (36), Mahendergarh, Haryana-123021 have changed my name and shall hereafter be known as Aarav.

खबर संक्षेप

सिहमा में बाबा जाट वाले का रोट आज

मंडी अटेली। खंड सिहमा की बणी में बाबा जाट वाले का रोट 23 जून आज होगा। हर वर्ष यह रोट गांव सिहमा के समस्त ग्रामवासी मिलकर बाबा के चरणों में दाल चूरमे के प्रसाद का भोग लगाकर शुरू करते हैं।

श्रीश्याम संकीर्तन महोत्सव कल

नारनौल। श्री श्याम मंदिर गोपाल गोशाला में 24 जून को श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए रमेश मित्तल ने बताया कि 24 जून को श्री श्याम बाबा संकीर्तन महोत्सव के दौरान प्रसिद्ध गायककार कोलकाता से नितेश शर्मा, पानीपत से साहिल शर्मा, कोलकाता से अमोल, शुभम पाराशर सहित अनेक गायकों के द्वारा श्याम बाबा का गुणगान भजनों के द्वारा करेंगे।

अबकी बार बरसात नहीं होने से खरीफ की बिजाई में हो रही देरी, किसान मायूस

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

जिले में पिछले साल मानसून के दौरान ही हुई थी अच्छी बरसात, तब से लेकर अब तक दस महीने बीते, लेकिन नहीं हुई बरसात, पूरी गर्मी झुलसते रहे लोग, खरीफ में हो रही देरी

अबकी बार प्री मानसून की एकबार भी बरसात नहीं होने से किसान बाजरे की अगेती फसल की बिजाई नहीं कर सके हैं। इससे किसान मायूस हैं तथा उन्हें मानसून सीजन की अच्छी बरसात होने का इंतजार है, ताकि वह खरीफ फसल के तहत बाजरा ही नहीं, ग्वार एवं दलहन फसलों की बिजाई कर सकें।

उल्लेखनीय है कि अबकी बार समूचे इलाके में न तो प्री मानसून सक्रिय हुआ है और न ही कोई अच्छी बरसात हुई है। इलाके में बरसात पिछले साल जुलाई के अंत तक ही हुई थी और पूरे दस महीनों से जिला महेंद्रगढ़ बरसात को तरस रहा है। मानसून के बाद पूरा सर्दी सीजन जहां बिना बरसात के बीता, वहीं बाद में भी बरसात नहीं हुई। यही वजह रही कि अबकी बार तापमान ने रोज-रोज नए-नए रिकार्ड बनाए हैं और लोगों का भीषण गर्मी एवं लुओं से बुरा हाल रहा है।

जिले में अधिकत्तम तापमान अबकी 49.4 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया। इससे रात्रि के तापमान में भी काफी बढ़ोतरी दर्ज की गई और दिन-रात लोग गर्मी से झुलसते रहे। इस बरसात के न होने का नुकसान आमजन को गर्मी के रूप में तो किसानों को फसलों के रूप में नुकसान उठाना पड़ा है। पिछले दो-तीन सालों पर गौर करें तो इन सालों में मानसून सीजन ही नहीं, इससे पहले प्री-मानसून बार-बार सक्रिय होता रहा है और कई विक्षोभ बनने से इलाके में बार-बार बरसात होती रही थी, जिस कारण पिछले दो-तीन सालों में गर्मी ज्यादा नहीं पड़ी। पिछले साल तो अधिक तापमान नहीं होने का असर बाजरे की फसल पर साफ दिखाई दिया था, क्योंकि गर्मी में तापमान कम रहने के कारण खड़े बाजरे के सिट्टों में कीड़े लग गए थे, लेकिन अबकी बार ऐसा नहीं हुआ और किसान बाजरे की फसल की बिजाई अब तक नहीं कर पाए हैं। हालांकि गुरुवार प्रातः नौ बजे करीब आधे घंटे तक इस सीजन की पहली अच्छी बरसात हुई, लेकिन वह इस काबिल नहीं बरसी कि किसान खेतों में बाजरा एवं ग्वार की बिजाई कर सकें।

हालांकि किसानों ने खेतों को सुधारने के उद्देश्य से उनमें हल चलाकर जुताई करना जरूर शुरू कर दिया है। इसके साथ ही किसानों ने बीज भी खरीदना शुरू कर दिया है। खरीफ की बिजाई के तहत किसानों ने कपास बोई हुई है, लेकिन अबकी बार बरसात नहीं होने से कपास की फसल चौपट होती दिखाई दे रही है।

बरसात नहीं होने का ही परिणाम है कि जिले के किसान खरीफ के तहत बाजरे की बिजाई मई के अंत या जून के प्रथम सप्ताह में शुरू कर देते हैं, लेकिन अब एक पखवाड़ा से भी ज्यादा देरी हो चुकी है।

नारनौल। खातौली जाट के खेत में खड़ी कपास की फसल तथा खरीफ की बिजाई के लिए ट्रैक्टर से खेत जुतवाता किसान। फोटो : हरिभूमि

जिले की स्थिति

पिछले साल जिले के किसानों ने खरीफ सीजन-2023 के तहत कपास की फसल 58590 एकड़ में बिजाई की थी, जबकि 2,85,985 एकड़ में बाजरा एवं 9880 में ग्वार एवं हरे चारे की फसलें बोई गई थी। बरसात नहीं होने का असर कपास पर साफ दिखाई दे रहा है, क्योंकि कृषि विभाग ने कपास का रकबा घटाकर 60 हजार एकड़ से 50 हजार एकड़ का लक्ष्य निर्धारित कर दिया। इसी प्रकार अबकी बार बाजरे का लक्ष्य 2,80,000 एकड़ निर्धारित किया है। बरसात नहीं होने के कारण ग्वार बिजाई की संभावना कम ही है।

यह कहते हैं कृषि उपनिदेशक

कृषि उपनिदेशक डा. देवेंद्र सिंह ने बताया कि बाजरे की अच्छी पैदावार के लिए दिन का औसत तापमान 25-30 डिग्री सेल्सियस तथा नमीयुक्त वातावरण उपयुक्त होता है। बाजरा की बिजाई का उचित समय एक जुलाई से 15 जुलाई तक है। असींचित क्षेत्र में बिजाई मानसून की पहली वर्षा पर की जा सकती है। उन्होंने बताया अगेती पकने वाली किस्में एचजी-365, एचजी-563 की बिजाई जून के दूसरे पखवाड़े में तथा 2-20 किस्म जुलाई के प्रथम पखवाड़े में, पछेती पकने वाली किस्त एचजी-75 की बिजाई मध्य जुलाई में कर देनी चाहिए।

अप्रूव्ड में कनीना व महेंद्रगढ़ में चार-चार, अटेली में तीन व नारनौल में सिर्फ एक कॉलोनी हुई वैध

चार शहरों से बाहर डीटीपी की 12 कॉलोनी अप्रूव्ड जुलाई में नारनौल शहर की 32 कॉलोनी भी होंगी!

सतीश सैनी ⏭नारनौल

नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग की ओर से जिला के चार शहरों से बाहर 12 कॉलोनियों को अप्रूव्ड कर दिया है। इसमें कनीना व महेंद्रगढ़ की चार-चार, अटेली की तीन और नारनौल की एक कॉलोनी शामिल है। वहीं दूसरी ओर जिला के सबसे बड़े शहर नारनौल के अंदर 34 कॉलोनियों को अप्रूव्ड करने के लिए डीएमसी ने नगर निकाय विभाग को भेजी हुई है। सूत्र बताते है कि इनमें से दो कॉलोनी अप्रूव्ड नहीं होगी। इनमें से एक नगर परिषद एरिया से बाहर है और दूसरी दो एकड़ से कम है। इसके अलावा 32 कॉलोनी अप्रूव्ड होने की जुलाई माह में उम्मीद है।

यह है वह 12 कॉलोनी

कनीना में चार कॉलोनी : कनीना में 2.55 एकड़ में विकसित शिवम कॉलोनी को अप्रूव्ड किया गया है। इसी तरह दूसरी कॉलोनी भगतसिंह है। करीब 5.87 एकड़ में यह कॉलोनी फैली है। तीसरी अर्जुन कॉलोनी है। करीब 2.15 एकड़ में विकसित कॉलोनी है। चौथी भीम कॉलोनी है। करीब 2.03 एकड़ में विकसित कॉलोनी है।

नारनौल में एक कॉलोनी : नारनौल में राजस्व सम्पदा लतुफपुर में वेद कॉलोनी को अप्रूव्ड किया है। करीब 14.98 एकड़ में विकसित इस कॉलोनी की नियमित खसरा संख्या 24//8,9,10/1,11/2,12,13,14 मिन, 17 मिन, 18 मिन, 19,20,21 मिन, 22 मिन, 23/1 मिन, 24 मिन, 25/1 मिन, 25/2 मिन, 26,38//1/1 मिन, 3 मिन, 4 मिन, 26,27,5 मिन, 6 मिन, 7 मिन, 23/20 मिन, 21 मिन, 22 मिन, 39//1 मिन है।

महेंद्रगढ़ में चार कॉलोनी : राजस्व सम्पदा जाटवास में आनंद कॉलोनी अप्रूव्ड की है। करीब 5.41 एकड़ में विकसित है। दूसरी राजस्व सम्पदा रिवासा और माजरा खुर्द की दानवीर कॉलोनी है। करीब 42.54 एकड़ में यह विकसित बताई गई है। राजस्व सम्पदा रिवासा के अधीन तीसरी राव तुलाराम कॉलोनी है। इसका एरिया 31.53 एकड़ बताया गया है। राजस्व सम्पदा जाटवास व बुन्देबाज नगर एरिया की चौथी देवनगर कॉलोनी 6.30 एकड़ में फैली है।

अटेली में तीन कॉलोनी : राजस्व सम्पदा तोबड़ा के अधीन बाबा सेवादास कॉलोनी अप्रूव्ड हुई है। यह 4.34 एकड़ में फैली है। दूसरी नंबर राजस्व सम्पदा खोड़ के तहत तुलाराम कॉलोनी का है। यह 9.53 एकड़ में फैली हुई है। इसी राजस्व सम्पदा खोड़ के तहत श्रीराधे कॉलोनी को मंजूरी मिली है। यह कॉलोनी 30.90 एकड़ में विकसित है।

क्या कहते है डीएमसी

इस संबंध में डीएमसी महावीर सिंह ने बताया कि शहर से बाहर की कॉलोनी डीटीपी के अधीन आती है। उनके नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग ने यह 12 कॉलोनी अप्रूव्ड की है। जहां तक नारनौल शहरी क्षेत्र के अधीन कॉलोनियों की बात है तो हमने 34 कॉलोनियों को अप्रूव्ड के लिए भेजा हुआ है। इसमें से कम से कम 32 कॉलोनी अप्रूव्ड होने की उम्मीद है।

क्या कहते है डीटीपी: डीटीपी मनजीत सिहाग ने बताया कि जिला से 13 कॉलोनी भेजी गई थी, उसमें से 12 कॉलोनी अप्रूव्ड हुई है। उन्हें अभी नोटिफिकेशन नहीं मिला है।

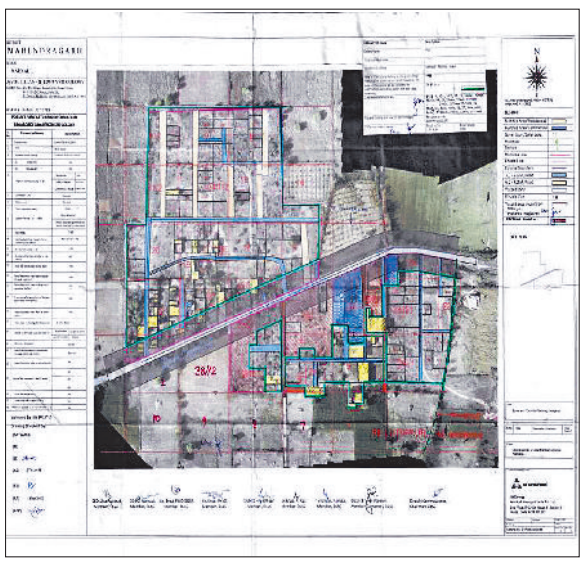

नारनौल। नारनौल के लतुफपुर में यह वेद कॉलोनी डीटीपी विभाग ने की अप्रूव

नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग ने जारी किया नोटिफिकेशन

हरियाणा सरकार ने नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग की अधिसूचना 20 जून को जारी की है। हरियाणा नगर पालिका क्षेत्र से बाह्म क्षेत्रों में अपूर्ण नागरिक सुख सुविधाओं तथा अवसंरचना का प्रबंधन (विशेष उप) अधिनियम 2021 (2022 का 5) की धारा 5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रदेश के राज्यपाल ने इन क्षेत्र को अपूर्ण नागरिक सुखसुविधाओं तथा अवसंरचना क्षेत्र के रूप में घोषित किया है। नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग के अपर मुख्य सचिव अरूण कुमार गुप्ता के नाम से जारी इस नोटिफिकेशन में बताया गया है कि यह अनुसूची जिला स्तरीय सवीक्षा समिति द्वारा प्रस्तुत की गई क्षेत्र/कॉलोनी की परिसीमाओं को दर्शाने वाली अभिन्यास योजना है। वाणिज्यिक परिसर, वैंक्वेट हॉलज, गोदामों, मॉलज, मल्टीप्लेक्स तथा मोटेल इत्यादि के अंतर्गत आने वाले भूखंड इस अधिसूचना का हिस्सा नहीं होंगे। दूसरी बात, रिक्त क्षेत्र के लिए कलक्टर दर का आठ प्रतिशत की दर से तथा निर्मित क्षेत्र के लिए पांच प्रतिशत की दर से विकास प्रभार उद्ग्रहीत किए जाएंगे। अनुमत सीमा से चार प्रतिशत से अधिक वाले वाणिज्यिक घटकों के लिए ये दरें तीन गुणा होगी तथापित इस प्रयोजन हेतू विकास योजना के आवासीय जोन में स्थित कृषि भूमि के लिए कलक्टर दर पर विचार किया जाएगा।

नारनौल में इन 32 कॉलोनियों के अप्रूव्ड होने की उम्मीद

कॉलोनी का नाम	एकड़
पुरानी मंडी कॉलोनी	2.76
ममता कॉलोनी	8.62
खेतानाथ कॉलोनी	8.82
दीवान कॉलोनी	9.13
केशवनगर एक्सटेंशन	29.03
कुलताजपुर रोड कॉलोनी	35.69
दयानगर एक्सटेंशन कॉलोनी	50.93
जलमहल कॉलोनी	23.64
मालीटिबा एक्सटेंशन कॉलोनी	32.41
यूरेका कॉलोनी	13.44
गणेश कॉलोनी	111.25
परशुराम एक्सटेंशन कॉलोनी	32.73
राधा कॉलोनी	33.74
केआईडीएस कॉलोनी	7.89
रामकरणदास एक्सटेंशन	17.45
सरस्वती कॉलोनी	16.78
शादीराम कॉलोनी	4.35
सनसाइन कॉलोनी	25.55
हीरा नगर	27.72
कैलाशनगर एक्सटेंशन	26.46
रामनगर कॉलोनी	58.64
हरीनगर कॉलोनी	29.40
अमृतधारा कॉलोनी	29.65
नीलकण्ड कॉलोनी	50.68
एम्पलाइ कॉलोनी एक्सटेंशन	23.98
आरकेपुरम कॉलोनी	32.07
सुभाषनगर कॉलोनी	26.79
सुभाषनगर कॉलोनी एक्सटेंशन	9.1
अग्रसेन एक्सटेंशन कॉलोनी	10.83
शीला कॉलोनी	7.30
रघुनाथ नगर	11.37
एमबीसीसी कॉलोनी	10.56

छोटी उम्र में ही मर रहे लोग, बचने के लिए करें योग : स्वामी रामदेव

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

शहरी क्षेत्र गांव नीरपुर वासी मदन गोपाल यादव के 32 वर्षीय बेटे गौतम की हार्ट अटैक से मौत हो गई। उनके अंतिम संस्कार में शनिवार स्वामी रामदेव पहुंचे थे। उनके साथ मंत्री डॉ अभय सिंह यादव व पूर्व मंत्री ओम प्रकाश यादव भी रहे।

इस योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि बिगड़ते खानपान व दिनचर्या के चलते कम उम्र में ही लोग हार्ट अटैक, कैंसर व अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित होने लग गए हैं। जिसके चलते कम उम्र में ही लोगों की जान जा रही है। इसको रोकने के लिए योग बहुत आवश्यक है। योग के द्वारा ही हम किसी भी प्रकार के रोग को भगा सकते हैं। बाबा रामदेव ने कहा कि इस बार के साल का योग का थीम था योगा फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी। हमारा सपना है योग सभी लोग करें। उन्होंने कहा कि एक धर्म और एक योग से जब लोगों की बीमारियां और बुराइयां उनके जीवन के दुख और जितनी भी चिंता हैं, वह दूर की जा सकती हैं और एक योग की अच्छी आदत से जब सारी बुरी आदतों से मुक्ति पाया जा सकता है।

इसलिए योग करें, रोज करें और तन मन से सदा निरोग रहे। उन्होंने बताया कि छोटी उम्र में हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर, शुगर, लिवर किडनी की प्रॉब्लम और कैंसर जैसे रोग बढ़ रहा है। अब एक तनावपूर्ण वातावरण व्यक्ति के सामने होता है। नींद के लिए दवाई खानी पड़ रही है। इसलिए यदि हम अपने जीवन को बहुत अच्छे से जीना चाहते हैं तो योग को अपने जीवन शैली का हिस्सा बनना चाहिए और जब योग हमारे जीवन शैली का हिस्सा बन जाएगा तो कोई रोग नहीं रहेगा।

जमीन विवाद को लेकर आधा दर्जन से ज्यादा पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

अटेली थाना के अंतर्गत आने वाले गांव गणियार में जमीनी विवाद में जमीन विवाद के झगड़े को लेकर पीड़ित व्यक्ति ने इसकी शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने आधा दर्जन से ज्यादा पर मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित व्यक्ति गणियार निवासी सत्यव्रत ने बताया कि वह अटेली मण्डी मे रहता है। गत 16 जून को उसकी जमीनी के हिस्सेदार लिए कमल सत्यवान को अटेली थाने बुलाया था। उन्होंने अटेली आने से मना कर दिया और पैमाइश के लिए गणियार बुला लिया। जब वह पैमाइश के लिए खेतों में जाता है, उस दौरान उस पर हमला कर दिया जाता है। इन सभी ने मिलकर थप्पड़ों लातों मुक्कों से उसकी कमीज फाड़कर उसमें 500 हजार रुपये कमल ने छीन लिए गए। उसके बाद वह बचाओ बचाओ का शोर किया तो नजदीक कुएं पर उपस्थित लोगों ने उसको छुड़वाया। उसके सामने ही कृष्णा के कपड़े सत्यवान व कमल ने फाड़ दिए और उसको कहने लगे यह इल्जाम लगाएंगे। अंत में उन्होंने बोला आज तो वह बच गया आगे कभी मिलेगा तो खत्म कर देंगे। पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर अटेली पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

बिजली निगम का कारनामा, किसान को भेजा 77 लाख 90 हजार रुपये का बिल

- बिजली निगम के कर्मचारियों की लापरवाही से आए दिन आ रहें हैं अनाप-शनाप बिल : बलवान फौजी

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

बिजली निगम द्वारा आए दिन नए-नए कारनामे सामने आ रहे हैं। अब ऐसा ही एक नया कारनामा सामने आया हैं। बिजली निगम द्वारा गांव मांडोला निवासी एक गरीब किसानों को 77 लाख 90 हजार रुपये का बिल भेजा गया है। किसान का इतने रुपये का बिल आने से वह परेशान हैं। पीड़ित किसान ने समाजसेवी बलवान फौजी को अपनी पीड़ा जाहिर की। बलवान फौजी ने बिजली निगम कार्यालय में जाकर अधिकारियों से मुलाकात कर बिल को ठीक करने की मांग की हैं। बता दें कि गांव मांडोला निवासी किसान बाबूलाल के मकान में दो कमरे हैं। मकान में एक फ्रिज, कूलर व चार बल्ब जलते हैं, लेकिन बिजली निगम की ओर से किसान को 77 लाख 90 हजार 887 रुपये का बिल भेजा गया हैं। इसके अलावा बलाना निवासी फौजी पुष्पेंद्र को छह हजार रुपये बिल भेजा गया हैं।

किसान बाबूलाल ने बताया कि जब निगम की ओर से उनके घर पर बिल आया तो उसकी आंखें फटी-फटी रह गई। निगम कार्यालय के कई बार चक्कर काटे गए, लेकिन कोई हल निकला। बलवान फौजी अधिकारियों को चेतावनी दी कि अगर पीड़ित किसान का बिल ठीक नहीं किया तो निगम कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। बलवान फौजी ने कहा कि बिजली निगम के अधिकारियों की आए दिन उपभोक्ताओं को अनाप-शनाप बिल भेजे जा रहें हैं। गांव बलाना निवासी फौजी पुष्पेंद्र को महीने का 1000 रुपये बिल आता था, लेकिन निगम की ओर से फौजी को छह हजार रुपये का बिजली भेजा गया हैं। बिजली निगम के कर्मचारी उपभोक्ताओं को परेशान करने में लगे हुए हैं। आए दिन किसानों के खेतों व घरों में जाकर झूठे छापे मारते हैं और बिजली चोरी का आरोप लगाते हैं। भारी भरकर बिजली का बिल भेजकर परेशान करने में लगे हुए हैं। अगर बिजली कर्मचारियों ने अपने सिस्टम में सुधार नहीं किया तो धरने के साथ-साथ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। अगर फिर भी गलती की गई तो लघुसचिवालय में धरना दिया जाएगा।

निगम की ओर से गलती से भेजा गया बिल

एसडीओ सुनील कुमार ने बताया कि किसान बाबुलाल की शिकायत आई हैं। निगम की ओर से गलती से बिल भेजा गया है। कर्मचारियों से तुरंत प्रभाव से कहकर किसान का बिजली बिल ठीक करवाया जाएगा।

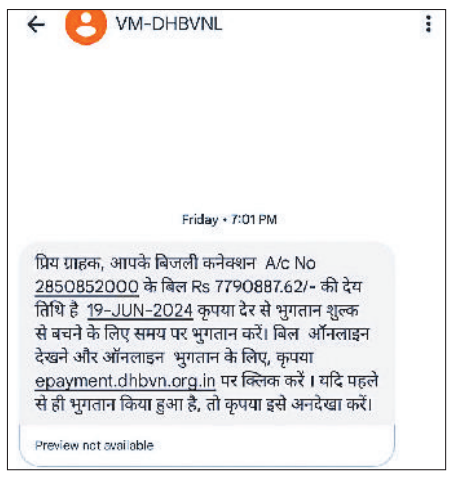

महेंद्रगढ़। निगम द्वारा किसान के फोन पर भेजा गया बिल।

आसमान से बरसने वाली आग से पेड़-पौधे भी झुलसे

हरिभूमि न्यूज ⏭कनीना

आसमान से बरसने वाली आग से पेड़-पौधे भी झुलसने लगे हैं। प्रचंड गर्मी के कारण कीचन गार्डन में लगे फलदार पौधों पर आया फॉल सूखकर गिर गया है, वहीं पत्ते झुलस कर मुरझा गए हैं। गुढा गांव में लगाए गए नींबू, अमरूद, अनार के पौधे वीरान हो गए हैं। फल-सब्जियां खराब होने से उनके दाम आसमान छूने लगे हैं। पूरे ज्येष्ठ माह बरसी आग की तपन मानसून की बारिश आने पर राहत दे सकती है। जून माह के अंतिम सप्ताह में बारिश की उम्मीद है। ईधर भीषण गर्मी के चलते घरों की दीवारें भी लाल होने से रात व दिन गर्म हो चले। कूलर-पंखे भी ठंडी हवा देने से जवाब देने लगे। हीट वेव का असर पशु-पक्षियों पर भी दिखाई दिया। पेयजल की तलाश में ईधर-उधर भटकते जंगली जीव-जंतुओं के जीवन पर संकट के बादल मंडरा गए। गर्मी से बचाव के लिए कूलर-पंखे, एसी लगातार चलने से बिजली की खपत में भी बढ़ौतरी हुई। 132 केवी पावर ग्रिड सब स्टेशन नांगल मोहनपुर व कनीना पावर हाऊस में बिजली निगम कर्मचारी बिजली उपकरणों के सामने हाई स्पीड पंखे चलाकर उनका तापमान बराबर रखने का प्रयास कर रहे हैं।

कनीना। भीषण गर्मी की चपेट में से सूखा नींबू का पौधा। फोटो : हरिभूमि

सपने और वादे पूरा न करने पर पार्षद का छलका दर्द

नगर परिषद जनप्रतिनिधियों का 2 साल का कार्यकाल पूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

नगर परिषद के अधीन चेयरपर्सन व पार्षद के कार्यकाल को दो साल का समय बीत गया है। इन दो साल में पार्षद अलग-अलग अंदाज में अपना दुखड़ा आमजन को सुना रहे है। वार्ड नंबर 20 से पार्षद चुने गए युवा चेहरा नितिन चौधरी एडवोकेट ने तो अपना दर्द, अपने व वायदे पूरा ना करने की बात मीडिया के समक्ष बयां की।

इस युवा पार्षद का कहना था कि दो साल बीत गए हैं। आप और हमें एक संगठन में काम करते हुए या फिर एक असंगठित संगठन में काम ना करते हुए बहुत से उन्मादी ख्यालों को लेकर शुरू हुआ हमारा सफर नगरपरिषद में दो फाड़ के कारण चीथड़े-चीथड़े हो चुका हैं। इस कार्ययोजना में नारनौल नगर परिषद गठित होते ही दो फाड़ फिर तीन फाड़ और अभी वर्तमान में दो फाड़ के कारण गर्त में धंस चुकी हैं। कौन सही हैं कौन गलत ये तो भगवान ही जानता हैं या गलत पक्ष वालों की अन्तरआत्मा, लेकिन इन सब के बीच कोई पीस रहा हैं तो बिना कोई धड़े वाले पार्षद और शहर नारनौल का आम जनमानस। उन्होंने कहा कि नगरपरिषद में अफसरशाही अपने चरम पर हैं। चेयरपर्सन साहिबा हो या पार्षद कहीं ना कहीं उनके और अधिकारियो के बीच एक असमंजस की स्थिति भयावह हैं। आम जनता के काम हो नहीं पा रहें हैं। आम जनमानस को बहुत ही छोटे-छोटे कामों के लिए बेवजह चक्कर काटने पड़ते हैं।

शहर में सफाई की व्यवस्था इतनी बुरी हैं कि किसी भी गली मोहल्ले को हम सीना तान के यह नहीं कह सकते की फलां जगह बहुत साफ सुथरी हैं। नालिया गंदगी से अटी पड़ी हैं, कूड़े के नियमित उठान ना होने से हर पार्षद परेशान हैं। यहां तक की यदि कोई टेम्पो खराब हो गया तो एक महीने से पहले वह टेम्पो ठीक नहीं होता। कारण, सरकार ने चेयरपर्सन तो जनता से सीधा चुनाव करवा दिया, लेकिन उनकी शक्तियों को अफसरशाही में ही गिरवी रखवा दिया, जोकि बेहद अनुचित हैं। ऐसे में उन टेम्पो, ट्रैक्टर और जेसीबी सरिखे उपकरणों की रिपेयर तक का भुगतान सही समय पर नहीं हो पाता। जिसका भुगतान आम जन मानस को परेशान होकर देना पड़ता हैं।

उन्होंने कहा कि दो साल के बाद भी शहर विकास कार्यों से अभी भी खाली हैं, बेहद धीमी गति से थोड़े बहुत कार्य अभी वार्डों में हुए हैं लेकिन यह कोई हमारी मंजिल भी तो नहीं। जो ख्वाब जो उम्मीद का गुलाल लगाकर हम मतगणना केंद्र से बाहर निकले थे वो तो अभी मृगतृष्णा की भांति पहुंच से अभी बेहद दूर हैं।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 23 मई 2024

आज पर टिकी होती है हमारी भविष्य की जिंदगी

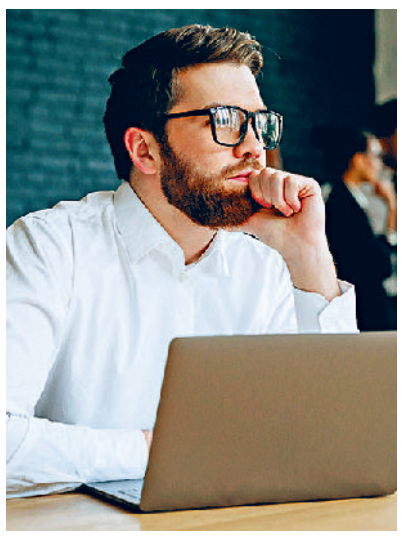

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

यह सही है कि भविष्य में कुछ भी निश्चित नहीं लेकिन आने वाले कल का बहुत कुछ ऐसा होता है, जिसे हम आज ही निर्धारित कर सकते हैं। वो कौन-सी प्रवृत्तियां हैं, कौन-सी स्वभावगत विशेषताएं हैं, जिनमें बदलाव लाना या जिन्हें सही दिशा देना जरूरी है, इस बारे में जानकर हम निश्चित ही आने वाले जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

आपको अगर अपने उगाए पेड़ों से आम, अमरूद, नीबू, केला, टमाटर या कोई भी फल सब्जी खानी है तो उसे कब उगाएंगे? जाहिर है, आप जब भी इन्हें उगाएंगे उसके कुछ दिनों, हफ्तों, महीनों या बरसों बाद आपको अपेक्षित फल मिलेंगे। ठीक इसी प्रकार आपको अपना भविष्य उज्ज्वल, खुशहाल, सहज और सुविधाजनक चाहिए तो उसके लिए कुछ कोशिशें आज से ही शुरू करनी होंगी। इन कोशिशों में आपके नजरिए, स्वभाव और आदतों में परिवर्तन भी शामिल है।

करें भविष्य का आकलन

हालांकि जीवन और दुनिया परिवर्तनशील और अनिश्चित है लेकिन इसमें कुछ चीजें कभी नहीं बदलेंगी। जैसे लोगों का स्वभाव, खान-पान संबंधी मूल आदतें, मानवीय गुण-दोष। इन्हीं के आधार पर भविष्य के लिए अपने प्रोफेशनल या कारोबारी निर्णय लें। मॉर्गन हाउसेल ने अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'सेम एज एवर' में लिखा है, 2050 में दुनिया चाहे जैसी हो, लोग तब भी लाभ, भय, अवसर, शोषण, जोखिम, अनिश्चितता, जुड़ाव से संचालित होंगे, जैसे आज होते हैं। तब भी हर कोई सुरक्षित भविष्य चाहेगा, आशंकाओं से घबराएगा और खाने में कुछ चीजें तब भी लगभग हर कोई खाएगा।' शायद यही कारण है कि वारेन बफेट जैसा बड़ा उद्यमी बीमा कंपनियों, बबलगम, टोमेटो केचप जैसी ट्रेडिशनल कंपनियों में निवेश करते रहे हैं।

रखें स्पष्ट-तार्किक सोच

हमें जीवन में रोजाना कुछ छोटे-बड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। इन्हीं के सही गलत होने पर हमारे भविष्य का पूरा दारोमदार होता है। अगर हम अपनी निर्णय क्षमता को स्पष्ट और तार्किक बनाना सीख लें तो हमारा आने वाला कल निश्चित रूप से अच्छा ही होगा। सही निर्णय लेने की कला स्कूली पढ़ाई से नहीं बल्कि अच्छे लोगों की सलाह, जीवन के अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान पर निर्भर करती है। सबसे पहले आपको उन क्षणों को पहचानना सीखना चाहिए, जो आपके जीवन को बदलने में सक्षम हैं। किसी भी घटना, स्थिति या व्यक्ति के व्यवहार पर बिना सोचे त्वरित प्रतिक्रिया न दें। बल्कि सोच-समझ कर तर्क के आधार पर निर्णय लें। भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विवेक से काम लें।

विश्वास और शत्रुता सीमित हो

आपने कई पौराणिक, ऐतिहासिक कथाएं पढ़ी होंगी। अपने परिवार या आस-पास के उदाहरण देखे होंगे और हो सकता है कभी आपको भी अनुभव प्राप्त हुआ हो कि किसी भी व्यक्ति से शत्रुता खतरनाक स्तर पर पहुंच जाए तो मानसिक अशांति के साथ-साथ जान से हाथ धो बैठने और भारी आर्थिक नुकसान होने का जोखिम बढ़ जाता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को अपना परम मित्र और हितैषी मानकर उसे अपनी जिंदगी का हर छोटा-बड़ा राज बता देते हैं और जरूरत से ज्यादा विश्वास करने लगते हैं तो कभी-कभार हमें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसा ना हो इसके लिए किसी से अत्यधिक शत्रुता या किसी पर अंधविश्वास करने से बचना चाहिए।

धोखाधड़ी-शॉर्टकट से बचें

कई बार हम क्षणिक सुख प्राप्त करने के लिए कोई ऐसी बड़ी गलती कर बैठते हैं, जिसके लिए हमें जीवन भर पछताना पड़ता है। अवैध संबंध, ठगी, चोरी, लूट, ईर्ष्या, किसी का अहित करना या धोखा देकर, नकल करके आगे बढ़ना ऐसे काम हैं, जिनका अंतिम नतीजा सदैव दुखदायी ही होता है। आप ऐसी खबरें देखते, सुनते या पढ़ते होंगे कि कोई बाहुबली, बड़ा राजनीतिज्ञ या अत्यधिक अमीर व्यक्ति भी अर्श से फर्श पर आ जाता है। इस संदर्भ में अब्राहम लिंकन के एक पत्र का सारांश पठनीय है, जो उन्होंने अपने बेटे के स्कूल टीचर को लिखा था। उन्होंने लिखा था, 'आदरणीय टीचर, आप मेरे बेटे को सिखाएं कि मेहनत से कमाया हुआ एक डॉलर सड़क पर पड़े मिलने वाले पांच डॉलर से ज्यादा कीमती होता है। वह दूसरों से ईर्ष्या की भावना मन में ना लाए। मुझे उम्मीद है कि आप उसे बताएंगे कि दूसरों को धमकाना और डराना अच्छी बात नहीं है। नकल करके पास होने से फेल होना ज्यादा अच्छा है। आप उसे सिखाएं कि हर दुश्मन में दोस्त बनने की संभावना भी होती है। इसलिए संयमित व्यवहार करे।'

ये सीखें बेहतर जीवन की चाहत रखने वाले हर किसी के लिए उपयोगी हैं। इसलिए बेहतर और खुशहाल जीवन के लिए इसके सभी पहलुओं का संतुलन साधना बहुत जरूरी है। *

सीखें लाइफ को बैलेंस करना

अगर आप अपने जीवन में अच्छे-बुरे कामों, नतीजों, अपने क्रिया-कलापों पर नजर नहीं रखते हैं तो जीवन की गति बेलगाम घोड़े या ड्राइवर विहीन कार जैसी होगी। जाहिर है, इसके दुष्परिणाम आपको ही भोगने होंगे। जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। काम के साथ स्वास्थ्य, विश्राम, संबंधों और परिवार पर भी ध्यान देना जरूरी है। कोका-कोला के पूर्व सीईओ ब्रायन डायन ने कॉर्पोरेट करियर में 40 साल बिताने के बाद एक स्पीच में कहा था कि काम पर समय से पहुंचें। तल्लीन होकर काम करें लेकिन घर पर भी समय से पहुंचे। हम जीवन में पांच गेंदों की जग्लिंग करते हैं। पहली गेंद काम, दूसरी परिवार, तीसरी स्वास्थ्य, चौथी दोस्ती और पांचवीं गेंद उत्साह से जुड़ी हुई है। काम-काज की गेंद रबड़ की तरह है। यह हाथ से छूट गई तो दोबारा आ सकती है। लेकिन बाकी गेंदें कांच की तरह होती हैं। ये एक बार हाथ से छूटीं तो टूट जाएंगी। पैसा और प्रोफेशन महत्वपूर्ण है लेकिन सब कुछ यही नहीं है। इसलिए परिवार की महत्ता को पूरी तरजीह दें।

पुरुष भी जरूर करें अपनी हेल्थ केयर

परिवार के अन्य सदस्यों की हेल्थ का पूरा ध्यान रखने वाले पुरुष सदस्य अकसर अपनी हेल्थ पर ध्यान नहीं देते हैं। सभी पुरुषों को अपनी हेल्थ के प्रति अवेयर करने और हेल्दी लाइफ जीने के लिए 'मेंस हेल्थ मंथ (जून)' इंस्पायर करता है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

जून महीना पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सजगता लाने से जुड़ा है। इस माह को 'मेंस हेल्थ मंथ' के रूप में मनाया जाता है। यह महीना, पुरुषों की हेल्थ प्रॉब्लम्स को लेकर जागरूक होने को समर्पित है।

पारिवारिक सदस्यों की जिम्मेदारी: परिवार में पिता, दादा, भाई या किसी भी अन्य रिश्ते के रूप में रहने वाले पुरुष सदस्य अगर अपनी सेहत का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो परिवार के अन्य सदस्यों की यह जिम्मेदारी है, वे उन्हें अपनी हेल्थ को लेकर अवेयर करें। कई तरह की भाग-दौड़ के बावजूद अपनों का स्वास्थ्य सहेजने वाली आपा-धापी में उलझे रहने वाले बाबा, पापा, चाचा या भाई को भी उनकी परेशानियों को समझने वाला साथ चाहिए होता है। उनका हाथ थामकर डॉक्टर के पास तक ले जाने और दवा खिलाने के लिए परिवार के सदस्य समय जरूर निकालें, उनकी तकलीफों को लेकर संवेदनशील बनें।

स्वास्थ्य की अनदेखी: अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों की प्राइमरी हेल्थ केयर के लिए चिकित्सक के पास जाने की प्रवृत्ति कम होती है। इसी वजह से पुरुषों में हृदय रोग, कैंसर और दुर्घटना में लगी चोटें, उनका जीवन छीनने के तीन प्रमुख कारणों में से एक बनकर सामने आई हैं। इतना ही नहीं पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या महिलाएं ही नहीं पुरुष भी झेलते हैं। उम्र के साथ हार्मोनल बदलावों से जुड़ी परेशानियां पुरुषों के भी हिस्से आती हैं। पैरेंटिंग की यात्रा के उतार-चढ़ाव में पिता भी साझीदार होते हैं। उनकी मनःस्थिति भी बदलती है। कई तरह की चिंताएं उन्हें भी आ घेरती हैं। बावजूद इसके यह जिम्मेदारी निभाने के आयुवर्ग में अधिकतर पुरुष अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं रहते। अपनों की संभाल का जिम्मा उठाने वाले पिता, पति और बेटे खुद अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को सीरियसली नहीं लेते। मन ही मन बहुत सी परेशानियों से जूझते रहते हैं। अपनी तकलीफें बताने के बजाय अपनों की परेशानियों का हल निकालने में जुटे रहते हैं। ऐसे में घर की महिला सदस्य और बच्चे अपने पति, पिता और दादाजी को खुद की देखभाल के लिए प्रेरित भी कर सकते हैं और स्नेह भरा दबाव भी बना सकते हैं। अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करने के इस बर्ताव के खिलाफ प्यारी सी जिद ठान सकते हैं। घर के पुरुष सदस्य, अपने बच्चों की बात नहीं टाल पाते हैं।

स्नेह-साथ आवश्यक: हमारे सोशल सिस्टम में बहुत सहजता से यह मान लिया जाता है कि घर के पुरुष सदस्यों को साथ, स्नेह और संवेदनशील बर्ताव की दरकार है ही नहीं। खासकर उस आयुवर्ग में जब वे अपनी जिम्मेदारियां संभालने योग्य हो जाते हैं। पिता, पति और बेटे के रूप में परिजनों के लिए हर मोर्चे पर भागम-भाग करने लगते हैं। ऐसे में बड़े होते बच्चों का अपने पिता के प्रति जुड़ाव ही संबल बन सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य सहेजने के लिए ही नहीं भावनात्मक मजबूती के मोर्चे पर भी यह स्नेह भरा साथ बहुत आवश्यक है।

अपनों की भूमिका अहम: पुरुषों की सेहत से जुड़ी चिंताओं के प्रति अवेयरनेस लाने और बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं की तरफ ध्यान लाने और उसे बेहतर तरीके से प्रबंधित करने के लिए तय किया गया यह विशेष वार्षिक आयोजन (मेंस हेल्थ मंथ) वाकई अहम है। इस दौरान चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान, यह भी बताते हैं कि घर के पुरुष मेंबर की हेल्थ संभालने के लिए अपनों की सक्रियता बेहद जरूरी है। अमेरिकी लेखक, राजनीतिज्ञ और डिप्लोमैट बिल रिचर्डसन ने कहा था कि पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को पहचानना और उन्हें रोकना केवल पुरुषों का मामला नहीं है। इसका असर पत्नियों, माताओं, बेटियों और बहनों पर भी पड़ता है। इससे स्पष्ट होता है कि पुरुषों का स्वास्थ्य वास्तव में एक व्यक्ति का नहीं पारिवारिक मुद्दा है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इससे परिवार में खुशहाली आती है। *

प्रिकॉशन
बाल मुकुंद ओझा

गेमिंग जोन में खोए बच्चे

खेलों को बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में गेमिंग जोन और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते ट्रेंड से बच्चों में कई हेल्थ प्रॉब्लम्स सामने आने लगी हैं। ऐसे में पैरेंट्स को एलर्ट होने की जरूरत है।

बच्चों के लिए बनाए जाने वाले गेमिंग जोन को लेकर इस समय पूरे देश में खासी चर्चा हो रही है। सवाल है, आखिर ये गेम जोन है क्या? इसका चलन देश और विदेशों में इतना क्यों बढ़ने लगा है?

विदेश से आया ट्रेंड: गेमिंग जोन की शुरुआत विदेशों में बहुत पहले हो चुकी थी। समय के साथ अन्य तकनीकों की तरह भारत के छोटे-बड़े शहरों में इसका भी विस्तार होने लगा है। गेमिंग जोन एक ऐसी जगह होती है, जहां लोग गेम खेल सकते हैं। इसे अलग-अलग तरह के गेम्स के लिए डिजाइन किया जाता है। भारत में गेमिंग जोन की लोकप्रियता बढ़ रही है। देश में लगभग हर बड़े शहर और मेट्रो सिटीज में आपको गेमिंग जोन मिल जाएंगे।

कैसे होते हैं गेमिंग जोन: गेमिंग जोंस में वीडियो गेम्स खेलने के लिए विशेष रूप से गेम्स डिजाइन किए जाते हैं। यह एक अलग क्षेत्र होता है, जो स्पेशल गेमिंग उपकरणों से तैयार किया जाता है। गेमिंग जोन के गेम्स में प्लेयर्स को अधिक तेज और रोमांचक गेमिंग अनुभव प्राप्त करने के लिए स्पेशल फीचर्स डाले जाते हैं।

बच्चे करते हैं पसंद: बच्चों को गेमिंग जोन काफी पसंद आते हैं। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों से बच्चों में इंडोर वीडियो गेम और फोन पर गेम्स खेलने की आदत काफी बढ़ गई है। कई मामलों में तो बच्चों को गेम की लत भी लग जाती है और वो चाहकर भी गेम खेलना छोड़ नहीं पाते। इसी तर्ज पर बनाए गए गेम्स जोन, बच्चों को खूब लुभाते हैं। यही वजह है कि छुट्टी के दिनों पर तो मॉल्स में बनाए गए गेमिंग जोन में बच्चों की काफी भीड़ रहती है। बच्चों को इस तरह के गेम्स खेलने में बहुत मजा आता है। इससे उनके शरीर में डोपामाइन नामक केमिकल ज्यादा रिलीज होता है। डोपामाइन एक न्यूरो ट्रांसमीटर है, जो हमारे शरीर के दिमाग को रोमांच, संतुष्टि और खुशी महसूस कराता है। इस वजह से बच्चे ऐसे गेम ज्यादा खेलते है।

बच्चों की हेल्थ पर बुरा प्रभाव: ऑनलाइन गेम्स हों, इंडोर गेम्स या गेमिंग जोन के गेम्स, इनकी लत बच्चों की मेंटल हेल्थ पर बैड इफेक्ट डाल सकती है। इससे बच्चों में डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बीते कुछ सालों से इस तरह के कई मामले भी सामने आए हैं, जिसमें गेम की लत ने बच्चों की मानसिक सेहत को प्रभावित किया है। उन्होंने अपने घर की चीजों, सदस्यों या दोस्तों को नुकसान भी पहुंचाया है। ऐसे गेम्स से बच्चों में हिंसक सोच भी बढ़ती है। खराब मेंटल हेल्थ के चलते बच्चों की पढ़ाई और प्रदर्शन प्रभावित होता है। ऐसे गेम्स की लत में बच्चों की मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ भी बिगड़ती है।

पैरेंट्स ना करें लापरवाही: अपने बच्चों को मोबाइल, कंप्यूटर और गेम जोन में खेलते देखकर कई माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते कि उनका बच्चा डिजिटल दुनिया के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। लेकिन शायद वे इस बात से अनजान हैं कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं, वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। इसलिए अगर आपके बच्चे भी ऐसे गेमिंग जोन में या ऑनलाइन गेमिंग में अकसर या बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो बिना देर किए आपको इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। आपका बच्चा ऐसे गेम्स का एडिक्ट हो जाए, उससे पहले ही आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। ऐसा न हो कि आपके बच्चे का बचपन गेमिंग जोन के चमक-दमक वाले मायाजाल में कहीं खो जाए। इसलिए इस लत से छुटकारा दिलाने के लिए पहले अपने स्तर पर प्यार से समझाने का प्रयास करें। जरूरत हो तो चाइल्ड काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट की मदद भी ले सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन सामाजिक विमर्श

जगमोहन सिंह राजपूत शिक्षाविद तो हैं ही, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के विचारक भी हैं। हाल में आई पुस्तक 'भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं (व्यग्रता, उग्रता और समग्रता)' में उनके कई विचारोत्तेजक लेख संकलित हैं। यहां पर लेखक ने कई ऐसी समस्याओं पर विचार किया है, जो केवल एक देश-समाज के लिए ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए चुनौती बने हुए हैं। आज आतंकवाद, सांप्रदायिक उन्माद, असहनशीलता और संवेदनहीनता जैसी समस्याओं का सामना संपूर्ण मानव समाज कर रहा है। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनके निवारण के बिना हम एक सभ्य समाज, विकासोन्मुख देश और बेहतर दुनिया की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन समस्याओं के मूल कारणों, इनके दुष्परिणामों पर ही नहीं, उनके समाधान के रास्तों पर भी लेखक ने इन लेखों में गहनता से विचार किया है। *

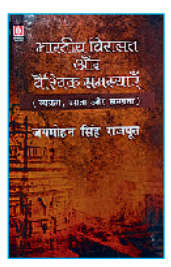

पुस्तक: भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं, **लेखक:** जगमोहन सिंह राजपूत, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

तपती दुपहरी

भीषण गर्मी की तपती दुपहरी थी। घर से बाहर निकलते लगता कि आदमी बेहोश होकर गिर जाएगा। धरती पर कण-कण तप रहा था। लेकिन बुलकिया को दम मारने की भी फुरसत नहीं थी। वह सुबह से ही लगी हुई थी। जल्दी-जल्दी ईंटे ढो रही थी। यह सोचती, बस एक खेप और...बस एक खेप और... फिर बच्चे को दूध पिला आएगी। बीच-बीच में बच्चा उठता, थोड़ी देर रोता फिर सो जाता। भीषण लू चल रही थी। पेट की बात नहीं होती तो बुलकिया निकलती भी नहीं। उसने कनखियों से बच्चे कजरा की ओर देखा। वह बस साल भर का था, नीम के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। पेड़ अब ठूंठ ही बचा था। पेड़ की शाखों पर नाम मात्र की पत्तियां ही बची थीं। बुलकिया को तेज भूख लग आई थी, लेकिन वह ईंटों को ढोने में लगी हुई थी। आधी दोपहर निकल गई थी। वह भी बेचारी क्या करे? उसका आदमी रामसूरतवा डेढ़ साल हुए पैसा कमाने पहले विदेश चला गया था। बैंक के दलालों की मदद से किसी तरह पैसा कर्जा लेकर वह दुबई गया था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। दुबई में कहीं टावर पर चढ़कर काम कर रहा था। एक बार नीचे गिरा तो उठ ना सका। बुलकिया अपने पति की लाश भी नहीं देख पाई थी। बैंक से दो लाख का कर्जा लेकर गया था पति, साल भर से वह उसका मय ब्याज चुका रही है। रामसूरतवा अपने पीछे दो बच्चे छोड़ गया है- मिंटुआ और कजरा। मिंटुआ तो खैर बड़ा हो गया है। बड़ा भी भला क्या हुआ है, चौदह साल का है। अट्ठारह घंटे चूड़ी फैक्ट्री में काम करता है। तब जाकर वो पांच हजार कमा पाता है। उसकी कमाई से ही घर चलता है।

पेड़ के नीचे कजरा बहुत देर से लेटा था। धूप की किरणें कांच की किरचों की तरह उसके बदन पर चुभ रही थीं। अचानक से वह जोर-जोर से रोने लगा। सुरेखवा से नहीं रहा गया तो चिल्लाई, 'अरे बहन! सुबह से ही बच्चे को धूप में सुला रखा है। कम-से-कम उसे छाया में तो लिटा, उसे कुछ खिला-पिला दे। तू भी तो कुछ खा-पी ले। इतनी धूप में क्यों काम कर रही है? थोड़ा सुस्ता ले बहन। काहे जान देने पर तुली है? बचेगी तो तभी काम करेगी, जा कुछ खा ले। यहां तो ऐसे लोग हैं, जो ठंडे एसी कमरों में पड़े हुए हैं।

एक हमारा नसीब है, धूप और लू में भी काम करना पड़ रहा है। सब अपने-अपने भाग्य की बात है।' तभी रामानंद ठेकेदार उधर से गुजरा, उसने भी टोका, 'ऐ, बुलकिया, तुझे और तेरे बच्चे को धूप नहीं लग रही है क्या? जा थोड़ा सुस्ता ले।'

बुलकिया के मन में आया कह दे, 'बाबू, भूख के आगे धूप कहां लगती है।' लेकिन उसे लगा उसकी आवाज को लकवा मार गया है। *

-महेश कुमार केशरी

प्यासा कौआ

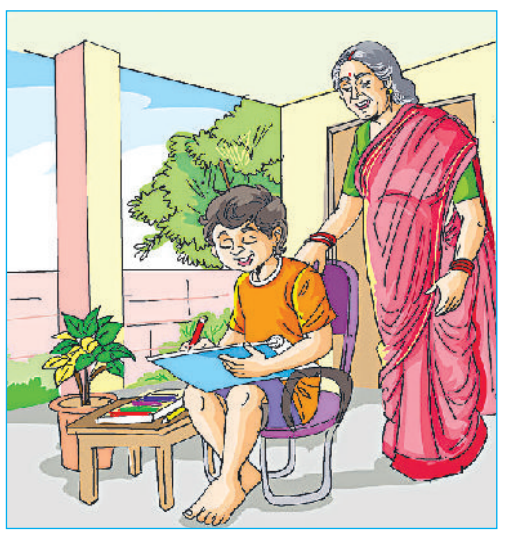

ओह कैसी गर्मी है? दो-चार रोटियां बनाने में जी घबरा गया। ये सिल्लो भी कितनी छुट्टी करती है और नलों का भी यही हाल है। सारे बर्तन खाली पड़े हैं। सूखे नल ही हुड़हुड़ा रहे हैं।' पसीना पोंछते हुए गर्मी को कोसते हुए वह किचन से बाहर निकल आईं। सामने उन्हें अपना पौत्र दिखाई दिया, 'अरे बंटू! इतनी गर्मी में तुम यहां बैठे हो?'

आंगन में रखी अपनी छोटी कुर्सी पर बैठा हुआ, अपनी ही धुन में ड्राइंग कॉपी में अपने नन्हे-नन्हे हाथ से कुछ बना रहा था। बंटू को भी उसकी ही तरह घर का आंगन बहुत पसंद है। गमलों में मुस्कुराते एक से एक सजावटी पौधे, कोने में पारिजात के पेड़ पर टंगी घंटियां और एक विशिष्ट सजावट मन को सुकून से भर देता है यह आंगन। उन्होंने बंटू से कहा, 'इस गर्मी में बाहर बैठे हो! चलो अंदर चलो।'

बंटू ने बताया, 'दादी मैं ड्राइंग बना रहा हूं।'

उन्होंने कॉपी में झांक कर देखा पेड़, पौधे चिड़ियां, लाल-पीले फूल, तितलियां और आसमान में बादल, झरती वर्षा की बूंदें, वहीं दूसरी ओर खाली मटका, मटके के पास एक मृत कौआ।

'यह क्या बंटू?' उन्होंने पूछा।

'दादी कल आपने कहानी सुनाई थी न, कौए को कहीं भी पानी नहीं मिला, सब जगह सूखा ही सूखा। कहीं भी पानी की एक बूंद भी नहीं और कौआ प्यासा ही मर गया।' बंटू की आवाज में एक पीड़ा थी।

वह आगे भी बोला, 'देखो दादी, मैंने पेड़, लगाए हैं, उससे बादल आए, बारिश आई और यह नदी! देखो नदी में कितना सारा पानी है।' उन्होंने देखा बंटू के मुख और स्वर से खुशी फूट रही थी।

'पर तुम्हारा कौआ तो प्यासा ही मर गया। अब क्या फायदा?' उन्होंने बंटू से पूछा।

'दादी देखो! दूसरा कौआ तो आकाश में उड़ रहा है न।' वह बोला।

न जाने क्यों निगाहें अपने आप ही आसमान की ओर उठ गईं। उफ्फ! आग उगलते आसमां में एक भी परिंदा न दिखा। पर उन्होंने मिट्टी के खाली सकोरों को पानी से लबालब जरूर भर दिया। *

-यशोधरा भटनागर

{ टूरिस्ट प्लेसेस / शिखर चंद जैन }

वैसे तो दुनिया भर में हजारों-लाखों ब्रिजेज, नदी, सागर और पहाड़ों पर बनाए गए हैं। लेकिन हम आपको यहां कुछ ऐसे स्काई ब्रिज के बारे में बता रहे हैं, जिस पर से गुजरते हुए आपको भरपूर रोमांचक अनुभव मिलेगा। यहां से आपको आसमान और धरती के ऐसे अद्भुत नजारे दिखेंगे, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

थ्रिल से भरपूर अमेजिंग ब्रिज

टिटलिस क्लिफ वाक

स्विटजरलैंड के टिटलिस पहाड़ पर बना यह झूला पुल, दुनिया का सबसे ऊंचा ससपेंशन ब्रिज माना जाता है। समुद्री सतह से 3000 मीटर की ऊंचाई पर बने इस ब्रिज पर टहलने के लिए सचमुच बहुत हिम्मत चाहिए, क्योंकि यहां से आसमान आपको अपनी पहुंच में नजर आएगा और नीचे देखेंगे, तो सिर चकरा जाएगा। जी हां, 100 मीटर लंबे और मात्र 1 मीटर चौड़े इस ब्रिज पर अपना दिल थाम कर आप आगे बढ़ेंगे तो चारों ओर बिखरी सफेद बर्फ और नीले आसमान के नीचे पहाड़ का मनोरम दृश्य आपको स्वर्गिक आनंद तो देगा ही, आपको रोमांच से भी भर देगा। *

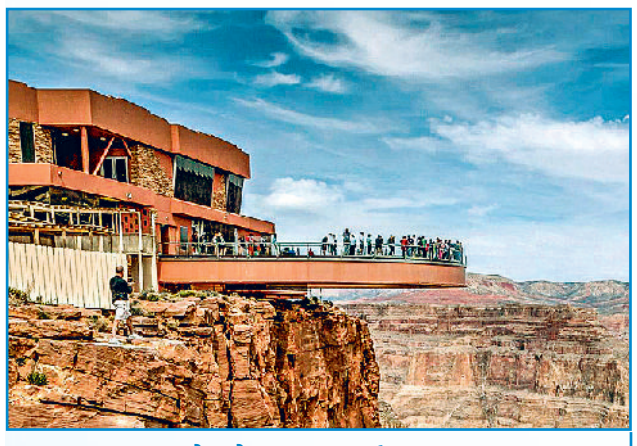

ग्रैंड कैन्यन स्काई वाक

अरिजोना (यूएसए) के कैन्यन नेशनल पार्क में 4700 फीट की ऊंचाई पर बना यह पुल, पूरी तरह पारदर्शी है। यह वाक वे दुनिया के सबसे रोमांचक और सिहरन पैदा करने वाले पर्यटक स्थानों की सूची में शुमार है। इस पर टहलते समय नीचे गहरी खाई और ऊपर नीला आसमान नजर आता है तो अच्छे अच्छों का सिर चकरा जाता है। इसकी सैर करते समय आपको म्यूजियम, लाउंज और स्पेशल आइटम्स वाली शॉप भी देखने को मिलेगी। घोड़े के नाल की आकार का यह पुल, दर्शकों का दिल छू लेता है। अगर आप इस पर सैर करने का साहस न जुटा पाएं तो कोई बात नहीं, इसके नजदीक बने ओपन कैफे में बैठकर भी इसके नजारे ले सकते हैं। *

ऑरलैंड लुकआउट

स्विमिंग पुल में कूदने के लिए जो डाइविंग बोर्ड बनाए जाते हैं, वैसी ही डिजाइन है नॉर्वे के इस हैंगिंग ब्रिज ऑरलैंड लुकआउट की। ढलान ऐसी कि दिल घबरा जाए। बहादुर से बहादुर इंसान भी इसके अंतिम छोर तक जाने का साहस नहीं जुटा पाएगा क्योंकि इसका छोर पारदर्शी कांच से बनाया है और वह भी बिना फ्रेम के। नीचे घाटी में झांकेंगे, तो लगेगा बस आप अगले ही पल नीचे गिरने वाले हैं और ऊपर आसमान इतना नजदीक दिखेगा कि आपको लगेगा, आप इसे हाथ से पकड़ लेंगे। *

मोंटीवर्डी रेनफॉरेस्ट स्काई वाक

दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के कोस्टारिका देश में बना यह स्काई वाक इकोटूरिज्म का नायाब उदाहरण है। हैंगिंग ब्रिजेज की श्रृंखला से बना यह 2.5 किलोमीटर लंबा ब्रिज, आपको 2500 तरह के पेड़-पौधे, 400 तरह के पक्षी और कम से कम 100 तरह के जानवरों को देखने का भी मौका देता है। इस पुल पर आप लंबे-लंबे पेड़ों के शिखरों के बगल में चलते हैं और अपने चारों ओर प्रकृति का जीवंत रूप देखते हैं, तो मन आनंद से भर जाता है। इस बियाबान जंगल में सूरज की रोशनी बड़ी मुश्किल से धरती को छू पाती है। ऐसे में ब्रिज पर सैर करते हुए हवाई नजारा लेना एक अनूठी अनुभूति है। *

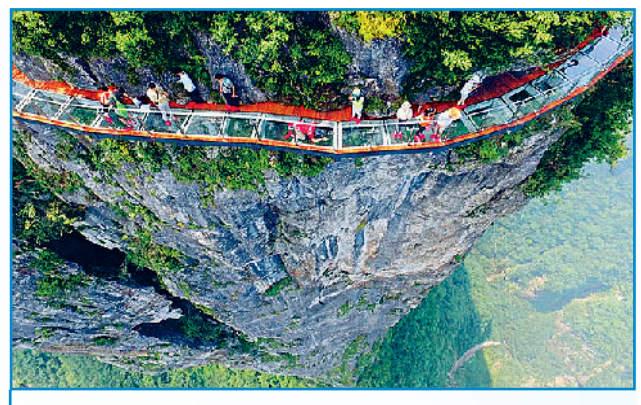

थियानमेन मुंटेन स्काईवाक

चीन के हुनान प्रांत में बना यह स्काई वाक वे 4700 फीट की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी पर बना है। इस वाक वे पर चलने से पहले भरपूर जीवट वाला इंसान भी एक बार घबरा जाएगा, क्योंकि एक ओर पहाड़ी की खड़ी ढाल है और दूसरी ओर 4000 फीट गहरी खाई। दिलचस्प बात यह कि इसका 3 फीट चौड़ा पैसेज पारदर्शी कांच का बना है, जिससे आप खुद को हवा में झूलता सा महसूस कर सकते हैं। इस स्काई ब्रिज पर टहलना 'वाक आफ फेथ' कहा जाता है, क्योंकि माना जाता है कि यह कमजोर दिलवालों के लिए नहीं, अत्यधिक आत्मविश्वास वाले लोगों के लिए ही है। *

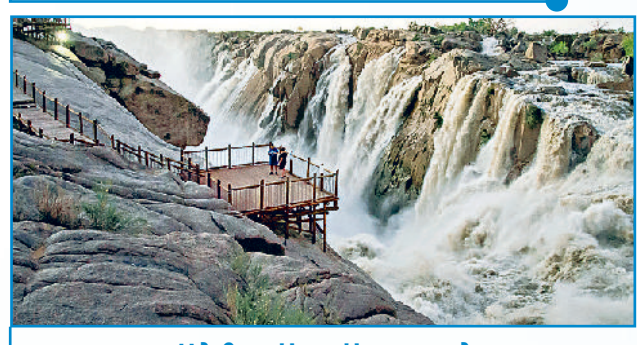

ऑग्रेबीज वॉटरफॉल्स वाक वेज

दक्षिण अफ्रीका के नार्दर्न केप में बने ऑग्रेबीज नेशनल पार्क में लकड़ी से बना यह ब्रिज आपको वाटरफाल के नजदीक पहुंचाता है। 5 कि.मी. लंबा यह वाक वे आपको उस अद्भुत मनोहारी दृश्य को नजदीक से देखने का मौका देता है, जो ऑरेंज नदी के लहराते जल के 240 मीटर गहरी और 18 किमी लंबी खाई में गिरने से उपस्थित होता है। इस पानी का शोर ऐसा होता है मानो सैंकड़ों नगाड़े पूरी ताकत के साथ बजाए जा रहे हैं। वाक वे पर खड़े होकर इस दृश्य को देखना और आवाज को सुनना वाकई एक अविस्मरणीय अनुभव होता है। *

सावधानी है जरूरी

अगर आपको कभी इन वाक वेज को देखने का मौका मिले और इनकी सैर करें तो कुछ सावधानी जरूर बरतें-

- चप्पल या आसानी से खुलकर निकल जाने वाले फुटवियर न पहनें।
- लहराने वाले या लूज ड्रेस जैसे दुपट्टा, मफलर आदि न पहनें।
- मोबाइल फोन, सनग्लास, कैमरे जैसे आइटम साथ में न रखें।
- नींद की दवा या नशीले पदार्थों का सेवन करने के बाद भूलकर भी यहां न जाएं।
- स्वास्थ्य संबंधी कोई शिकायत है, तो डॉक्टर से कंसल्ट जरूर कर लें।

{ रोचक / डॉ. शिबन कृष्ण रैणा }

शारजाह की विशाल सब्जी मंडी

जब भी मैं यूएई (यूनाइटेड अरब अमीरात) जाता हूं तो शारजाह शहर में स्थित सब्जी मंडी को देखना नहीं भूलता। सचमुच, अद्भुत और दर्शनीय! कह नहीं सकता कि विश्व में ऐसी भव्य, विशालकाय और मनोरम सब्जी मंडी कहीं और होगी या नहीं? इस सब्जी मंडी का नाम है 'सौक अल-जुबैल।' सैंतीस सौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैले इस विशालकाय वातानुकूलित परिसर में मुख्यतया तीन मार्केट मौजूद हैं। एक में फल और सब्जियां, दूसरे में मीट, चिकन, मछली जबकि तीसरे में सूखे मेवे आदि की दुकानें हैं। कुल मिलाकर इसमें 370 दुकानें हैं, जिनमें 212 सब्जी और फल की और शेष दुकानें नॉनवेज की हैं। पहले यह मंडी दूसरी जगह पर हुआ करती थी। नया परिसर बनने पर पुरानी मंडी की सारी दुकानें यहां पर शिफ्ट कर दी गई हैं।

यहां की व्यवस्था और साफ-सफाई शानदार है। कहीं कोई गिचपिच नहीं, कोई गंदगी नहीं। कहीं कोई शोर-शराबा भी नहीं। हर चीज का एक दाम। कोई मोल भाव भी नहीं। चारों ओर अनुशासन और शांति का माहौल। यूएई चूंकि-कृषि प्रधान देश नहीं है, इसलिए फल, सब्जी आदि खाने-पीने की चीजें मुख्यतया ओमान, भारत, पाकिस्तान, इटली, अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से यहां मंगवाई जाती हैं। इस सब्जी मंडी की विशालकायता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि परिसर के बाहर 750 कारों के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। 800 ट्रॉलियों से लैस परिसर में एटीएम के साथ-साथ वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध है। पूरा परिसर चौबीस घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तले रहता है। परिसर की ऊपर वाली मंजिल पर 'सौक अल-जुबैल' का प्रशासनिक कार्यालय भी स्थित है। *

{ ट्रेंड / विवेक कुमार }

बहुत कुछ कहती हैं अंगुली में पहनी अंगूठियां

हममें से कई लोग रईसी दिखाने के लिए तो कुछ अट्रैक्टिव या डिफरेंट दिखने के लिए ज्वेलरी पहनना पसंद करते हैं। विभिन्न धातुओं से बनी ये ज्वेलरीज हमारे स्वभाव से लेकर हमारे स्वास्थ्य तक को प्रभावित करती हैं। लेकिन अगर अंगूठियों की बात करें तो इससे हमारी पर्सनालिटी तो निखरती ही है। अलग-अलग अंगुलियों में पहनी गई अंगूठियां, अलग-अलग एंगल और अंदाज से हमारे व्यक्तित्व और मनोविज्ञान का खुलासा भी करती हैं। इस बारे में जानिए कुछ रोचक बातें।

अंगूठे में अंगूठी: जब आप अपने दाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके महत्वाकांक्षी होने के मनोविज्ञान को दर्शाता है। यदि आप अपने बाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके अंदर के मनोवैज्ञानिक संघर्ष को दर्शाता है। इसका एक पहलू आपकी पर्सनालिटी को उभारने के संबंध में भी होता है। अगर आपकी बॉडी फिट है, लंबाई 6 फीट के आस-पास है, बदन भारी नहीं है, चेहरे में आत्मविश्वास और ऊर्जा की मौजूदगी है, तो अंगूठे में पहनी गई अंगूठी आपकी अलग ही चमक दिखाती है। यह आपके समूचे व्यक्तित्व को एक ड्राइविंग फोर्स देती है।

तर्जनी अंगुली में अंगूठी: तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहनना हालांकि बहुत आसान है, लेकिन आप ध्यान से देखें तो अंगूठी का शौक रखने वाले भी महज 5 से 10 फीसदी लोग ही तर्जनी में अंगूठी पहनते हैं। दरअसल, तर्जनी पर अंगूठी वही पहनते हैं, जो अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को सार्वजनिक रूप से दर्शाना चाहते हैं, जिनमें नेतृत्व के गुण होते हैं। अगर इस बात को राजनेताओं से जोड़कर देखें तो अकसर राजनेता तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहने मिल जाते हैं। लेकिन अगर इसे सिर्फ फैशन के लिहाज से देखें तो तर्जनी अंगुली पर उन्हीं को अंगूठी पहनना शानदार दिखाता है, जिनकी पर्सनालिटी पहले से ही भरी-पूरी हो।

मध्यमा अंगुली पर अंगूठी: मध्यमा अंगुली जिम्मेदारी, सुंदरता, आत्मविश्लेषण यानी आपके बारे में बहुत कुछ कहती है। परिवार के मुखिया आमतौर पर मध्यमा अंगुली पर ही अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, क्योंकि वे जिम्मेदारी उठाना पसंद करते हैं। मध्यमा अंगुली पर अंगूठी किसी भी लंबाई के पुरुष में अच्छी लगती है, बशर्ते उसके चेहरे में उत्साह हो और आत्मविश्वास भी झलकता हो।

अनामिका अंगुली में अंगूठी: अनामिका एक ऐसी अंगुली है, जिसमें करीब-करीब हर कोई अंगूठी पहनता है और यह भी कहना चाहिए कि हर किसी की अनामिका में पहनी गई अंगूठी अच्छी भी लगती है। शायद इसकी वजह यह है कि इस अंगुली पर जब भी हम अंगूठी पहनते हैं, यह अच्छी लगती है। इसलिए यह अंगूठी पहनने के लिए सबसे कॉमन अंगुली है। रिश्तों की रचनात्मकता को पहचानना हो तो किसी के अनामिका में पहनी गई अंगूठी को देख लें। इसी वजह से विवाह के समय हर जोड़ा इसी अंगुली पर अंगूठी पहनाता है। वास्तव में अनामिका का रिश्ता चंद्रमा और रोमांस से है।

कनिष्ठा अंगुली में अंगूठी : कनिष्ठा यानी छोटी अंगुली पर बहुत कम लोग अंगूठी पहनते हैं। आमतौर पर इस अंगुली में वही लोग अंगूठी पहनते हैं, जिन्हें किसी विशेष मकसद से कोई अंगूठी पहननी हो। लेकिन इस अंगुली में अंगूठी पहनने वालों का एक स्पष्ट मनोविज्ञान होता है। ये पेशेवर होते हैं, बुद्धिमान होते हैं, दूसरे की कम सुनते हैं और अपने आत्मज्ञान पर भरोसा करते हैं। सही तरीके से ड्रेसअप होने पर कनिष्ठा में पहनी गई अंगूठी पर्सनालिटी में चार चांद भी लगाती है। *

रिचा चड्ढा ने अपने अलग तरह के रोल्स और दमदार अभिनय से फिल्मों में एक अलग पहचान बनाई है। इन दिनों वह वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपने किरदार को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। रिचा चड्ढा से उनकी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी खुलकर बातचीत।

लज्जो मेरी नई पहचान है : रिचा चड्ढा

{ बातचीत / पूजा सामंत }

पिछले दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई संजय लीला भंसाली निर्देशित वेब सीरीज 'हीरामंडी' में आप लज्जो के किरदार में नजर आ रही हैं। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। आप क्या कहना चाहेंगी ?

हर कलाकार चाहता है कि उसे भंसाली सर के साथ काम करने का मौका मिले। एक स्त्री का चित्रण जिस खूबसूरती से भंसाली सर करते हैं, वैसा किसी और के लिए करना मुश्किल है। वे हर फ्रेम को बेहद सुंदर बना देते हैं। परफेक्शन का दूसरा नाम हैं- संजय लीला भंसाली। 'हीरामंडी' में लज्जो का किरदार निभाकर मुझे काफी प्रशंसा मिल रही है।

सुना है 'हीरामंडी' में आप एक डांस सीक्वेंस परफॉर्म करते समय रो पड़ी थीं ?

अभी तो मैंने बताया कि भंसाली सर कितने परफेक्शनिस्ट हैं। जब तक शॉट 'द बेस्ट' न हो, रीटेक तो होते रहेंगे। शो के एक डांस सीक्वेंस में लज्जो को मुजरा करते हुए दिखाया गया है, यह कथक के तोड़े हैं। मेरे लगातार रीटेक्स हुए जा रहे थे। मुझे इस बात को लेकर घबराहट हो रही थी कि आखिर मेरा शॉट फाइनल होगा या नहीं, इसलिए मेरी आंखों में आंसू आ गए। 99 रीटेक्स के बाद मेरा कथक वाला मुजरा ओके हुआ।

'हीरामंडी' में को-आर्टिस्ट्स के साथ लज्जो के किरदार में रिचा चड्ढा

आप और आपके पति अली फजल ने एक्टिंग फील्ड में होते हुए भी अपना फिल्म प्रोडक्शन शुरू किया। क्या फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उतरने के पीछे कोई खास मकसद है ?

चलती-फिरती जिंदगी में कई बार कुछ ऐसे वाकये हो जाते हैं कि लगता है यह तो फिल्म का सब्जेक्ट है। यह जरूरी नहीं कि मेरा सुनाया सब्जेक्ट या कहानी किसी और निर्माता को पसंद आए। इसलिए किसी अच्छी-रोचक कहानी पर हमने स्वयं फिल्म बनाना सही समझा। सो फिल्म निर्माण में आ गए।

आप और अली फजल दोनों फिल्म कलाकार हैं, जीवन साथी भी हैं। फिल्म निर्माण भी साथ में कर रहे हैं, ऐसे में क्या 'क्रिएटिव डिफरेंसेज' की गुंजाइश नहीं रहेगी ?

रहेगी न! किसी मुद्दे को लेकर वैचारिक मतभेद का होना स्वाभाविक है। अली को लव स्टोरीज आकर्षित करती हैं और मैं सोचती हूं, एक्शन का तड़का कहानियों में हो तो वो यूनिवर्सल अपील बन जाती है। लेकिन हम दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते हैं।

आपके प्रोडक्शन की फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' सराही जा रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

सूचि तलाटी निर्देशित हमारी यह फिल्म 21 अगस्त को फ्रांस में रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रीति पाणिग्रही, कनि कुसूरति, केशव बिनॉय किरण, जितेन गुलाटी, देविका शाहनी और काजल चुघ मुख्य भूमिका में हैं। ये सभी बड़े होनहार कलाकार हैं। अभी फिल्म की पूरी स्टोरी बताना ठीक नहीं रहेगा। वैसे इसे एक मां और बेटी के संघर्ष की कहानी कहा जा सकता है।

अब तक की अपनी जर्नी को कैसे देखती हैं ?

मेरी जर्नी स्लो एंड स्टेडी रही है। मुझे लगता है मेरी हर फिल्म, हर किरदार ने मुझे सिखाया है, मेरी ग्रोथ हुई है। मैं रातों-रात स्टार नहीं बनी, धीरे-धीरे आगे बढ़ी हूं। 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'ओए लक्की! लक्की ओए' में एक छोटे रोल से मैंने अपना फिल्मी सफर शुरू किया था। उसके बाद 'मसान', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'गोलियों की रासलीला-राम लीला' जैसी फिल्मों में मेरे किरदारों को दर्शकों और फिल्म-क्रिटिक्स के अच्छे रेस्पॉन्स मिले। मेरा किरदार 'भोली पंजाबन' इतना पॉपुलर हुआ कि मुझे 'फुकरे', 'फुकरे रिटर्न्स' में उसी तरह के रोल ऑफर हुए। आज भी मुझ पर से 'भोली पंजाबन' का स्टैंप पूरी तरह से हटा नहीं है। अब मेरे कई फैंस मुझे 'लज्जो' (हीरामंडी) के नाम से जानने लगे हैं, यह मेरी नई पहचान है। *

यह भी बताया...

प्रेग्नेंट रिचा के अहसास : रिचा चड्ढा बहुत जल्द मां बनने वाली हैं। वह कैसा महसूस कर रही हैं, पूछने पर बताती हैं, 'मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं। मैं अली को 2015 से जानती हूं। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में 'विक्टोरिया एंड अब्दुल' फिल्म के प्रीमियर पर हम पहली बार मिले थे। हमारी मुलाकात दोस्ती और प्यार में तब्दील हुई। हमने 2020 में शादी की, अब हम 2024 में मम्मी-पापा बन रहे हैं। हमारा प्यार, हमारे रिश्ते बहुत सहज तरीके से आगे बढ़े। अब मुझे मम्मी और अली को पापा कहने वाला कोई आएगा। ये भावनाएं मन पर मोर पंख घुमा रही हैं।'

नहीं छोड़ेंगी अभिनय और फिल्म निर्माण: रिचा से यह सवाल करने पर कि मां बनने के बाद क्या वह अपना एक्टिंग-करियर जारी रखेंगी, वह जवाब देती हैं, 'वक्त तेजी से बदल रहा है, बल्कि बदल चुका है। यह उन मांओं के लिए सुनहरा दौर है, जो अपने बच्चों की परवरिश के साथ अपने करियर को खत्म नहीं करना चाहतीं। मुझे याद है, जब मेरे भाई का जन्म हुआ था, मां ने डिलीवरी के 45 दिनों बाद ही अपनी जॉब कंटिन्यू कर दी थी। प्रेग्नेंसी-डिलीवरी स्त्री के लिए एक ऑर्गेनिक प्रॉसेस है। अगर मां का हाथ बंटाने वाला कोई हो तो यह कोई इश्यू नहीं बनता। मैं भी मनचाहा काम, फिल्में, ओटीटी, फिल्म निर्माण करते रहना चाहूंगी।'